हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, मंगलवार, 2 दिसंबर 2025

11 खो-खो चैंपियनशिप में हिसार ने मारी बाजी

12 श्रीमद्भागवत गीता में सभी समस्याओं का समाधान

खबर संक्षेप

13 दिसंबर को लगेगी राष्ट्रीय लोक अदालत

बाढ़ड़ा। बाढ़ड़ा में रविवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण चरखी दादरी के संदर्भ में चेयरमैन नरेश कुमार जिला एवं सत्र न्यायाधीश व सचिव संजीव काजला मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी के निर्देशानुसार लीगल एड क्लीनिक कैंप लगाया। कैंप में पैनल अधिवक्ता बबीता श्योराण तथा अधिकार रक्षक जितेंद्र डांडमा ने कैंप में लोगों को कानूनी जानकारी दी। पैनल अधिवक्ता बबीता श्योराण बाढड़ा ने जागरुकता शिविर में निःशुल्क कानूनी सहायता के बारे में सलाह दी और मौके पर जो लोग समस्याएं लेकर आए उनको शिकायत रजिस्टर में लिखा और उन्हें कानूनी सलाह दी। बताया कि 13 दिसंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत लगेगी।

दिव्यांगजन एवं वरिष्ठ नागरिकों के लिए जांच शिविर 8 से 14 तक

भिवानी। डीसी साहिल गुप्ता के निर्देशानुसार जिला रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा दिव्यांगजन एवं वरिष्ठ नागरिकों के लिए 8 से 14 दिसंबर तक विभिन्न स्थानों पर जांच शिविर आयोजित किए जाएंगे। रेडक्रॉस सचिव प्रदीप कुमार ने यह जानकारी देते हुए बताया कि जिला में 8 से 14 दिसंबर तक विभिन्न स्थानों पर जांच शिविर आयोजित किए जाएंगे। आठ दिसंबर को बवानीखेड़ा के नागरिक हस्पताल में, नौ दिसंबर को तोशाम के पंचायत घर में, 10 दिसंबर को सिवानी के खंड विकास एवं पंचायत कार्यालय में, 11 को कैरू के खंड विकास एवं पंचायत कार्यालय, 12 को लोहारू के खंड विकास एवं पंचायत कार्यालय, 13 को बहल के खंड विकास एवं पंचायत कार्यालय तथा 14 दिसंबर को जिला रेडक्रॉस भवन में जांच शिविर आयोजित किए जाएंगे।

कृषि यंत्रों का भौतिक सत्यापन आज से

भिवानी। डीसी साहिल गुप्ता के निर्देशानुसार कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की खंड स्तरीय कमेटी द्वारा दो से चार दिसंबर तक भौतिक सत्यापन किया जाएगा। एग्री हरियाणा पोर्टल पर ड्रा में चयनित योग्य किसानों ने 30 नवंबर तक कृषि यंत्र खरीद कर पोर्टल पर अपलोड करने वालों के यंत्रों का भौतिक सत्यापन किया जाएगा। सहायक कृषि अभियन्ता नसीब सिंह धनखड़ ने बताया कि दो दिसंबर को कैरू के खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी कार्यालय में 10 बजे, अनाज मंडी लोहारू में 11 बजे, बहल अनाज मंडी में 12 बजे, सिवानी नया बस स्टैंड पर एक बजे, अनाज मंडी तोशाम में 2:30 बजे, अनाज मंडी बवानीखेड़ा व चारा मंडी भिवानी में 10 बजे सुपर सीडर कृषि यंत्र का भौतिक सत्यापन किया जाएगा।

कई जगह निजी बसों में बस पास नहीं मानने पर जताया रोष

बस पास व छात्राओं की सुरक्षा को लेकर एनएसयूआई ने खोला मोर्चा

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

निजी बसों में छात्र पास को स्वीकार करना बस ऑपरेटरों की मर्जी नहीं, कानूनी दायित्व : लांग्यान

छात्राओं की सुरक्षा के लिए बसों में सीसीटीवी कैमरे, जीपीएस और नियमित निरीक्षण की व्यवस्था हो

एनएसयूआई भिवानी इकाई ने जिले में विद्यार्थियों को पेश आ रही परिवहन समस्याओं को लेकर प्रशासन के खिलाफ कड़ा रुख अख्तियार किया। एनएसयूआई के जिला अध्यक्ष मंजीत लांग्यान के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को भिवानी में हरियाणा रोडवेज व जीएम व क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी (आरटीओ) से मुलाकात कर एक ज्ञापन सौंपा। संगठन ने स्पष्ट मांग की है कि जिले की सभी सरकारी, निजी और परमिटधारी बसों में छात्र बस-पास को अनिवार्य रूप से लागू किया जाए और छात्राओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। मांगपत्र के माध्यम से मांग की कि सभी सरकारी, निजी और परमिटधारी बसों में छात्र बस-पास को तुरंत प्रभाव से लागू किया जाए, बस ऑपरेटरों द्वारा कोर्ट स्टे का जो गलत बहाना बनाया जाता है, उस पर प्रशासन रोक लगाए, छात्राओं की सुरक्षा के लिए बसों में सीसीटीवी कैमरे, जीपीएस और नियमित निरीक्षण की व्यवस्था हो, पास ना मानने, ओवरचार्जिंग करने या अभद्रता करने वाले ड्राइवर-कंडक्टरों के परमिट निलंबित या रद्द किए जाएं, हर कॉलेज रूट पर एक नोडल अधिकारी नियुक्त हो और शिकायतों के निपटान के लिए एक तंत्र विकसित किया जाए। ज्ञापन में भिवानी जिले के विभिन्न शिक्षण संस्थानों कॉलेज, विश्वविद्यालय, आईटीआई और पॉलिटेक्निक के छात्रों की व्यथा को उजागर किया गया है।

मनजीत लांग्यान ने आरोप लगाया कि निजी बस संचालक नियमों को ताक पर रखकर मनमानी कर रहे हैं। हरियाणा पैसेंजर ट्रांसपोर्ट स्कीम 2003 का हवाला देते हुए मंजीत लांग्यान ने कहा कि निजी बसों में छात्र पास को स्वीकार करना बस ऑपरेटरों की मर्जी नहीं, बल्कि कानूनी दायित्व है। इसके बावजूद धरातल पर छात्रों से पूरा किराया वसूला जाता है और पास दिखाने पर उन्हें बसों में चढ़ने नहीं दिया जाता।

भिवानी। बसों की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपते हुए।

150 किलोमीटर पास का था दावा

जिला अध्यक्ष मंजीत लांग्यान ने आरोप लगाया कि 2024 में सरकार ने 150 किलोमीटर तक पास लागू करने का जो दावा किया था, वह भी महज एक चुनावी जुमला साबित हुआ है क्योंकि उसका वास्तविक लाभ छात्रों को नहीं मिल पा रहा है। एनएसयूआई प्रशासन को स्पष्ट चेतावनी दी है कि यह लड़ाई सिर्फ बस पास की नहीं, बल्कि छात्रों के आत्मसम्मान और शिक्षा के अधिकार की है। संगठन ने कहा कि यदि उनकी मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं की गई और निजी बसों की मनमानी नहीं रुकी, तो छात्र शक्ति सडक़ों पर उतरकर एक बड़ा और शांतिपूर्ण आंदोलन करने के लिए मजबूर होगी। इस अवसर पर रविदास मेहरा, सविता, सागर कांगड़ा, दीक्षा, रीनू, आशीष, मनदीप, रविना, साक्षी, रजनी, राहुल, गौरव सहित अन्य पदाधिकारी व विद्यार्थी मौजूद रहे।

छात्राओं ने बताया-बसों में लगता है डर

प्रदर्शन के दौरान एनएसयूआई की छात्रा प्रतिनिधि अंकिता ने छात्राओं के सामने आने वाली चुनौतियों को गंभीरता से रखा। उन्होंने कहा कि वे शिक्षा हासिल करने के लिए घरों से निकलती हैं, लेकिन सफर के दौरान हमें अपमान और भय का माहौल झेलना पड़ता है। कई बार निजी बसों का स्टाफ छात्राओं के साथ अभद्र व्यवहार करता है और पास नहीं मानता। सरकार बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का नारा तो देती है, लेकिन बेटियों को सुरक्षित यात्रा देने में पूरी तरह विफल साबित हुई है।

रोडवेज कर्मचारियों पर पंजाब सरकार की बर्बरता के खिलाफ दादरी में आक्रोश

चरखी दादरी। मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे रोडवेज कर्मचारियों पर पंजाब सरकार द्वारा किए लाठीचार्ज और मारपीट की घटना की आग अब हरियाणा तक पहुंच गई है। इस बर्बरतापूर्ण कार्रवाई के विरोध में सोमवार को दादरी बस स्टैंड पर रोडवेज कर्मचारियों ने सांझा मोर्चा के बैनर तले जोरदार प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने दो घंटे तक धरना दिया और पंजाब सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए अपना रोष प्रकट किया। बता दें कि पिछले तीन दिनों से पंजाब में पनबस, पंजाब रोडवेज और पीआरटीसी के कर्मचारी आंदोलनरत हैं, जिसके चलते वहां पूर्णतया चक्का जाम की स्थिति बनी हुई है। पंजाब के कर्मचारियों का आरोप है कि चुनाव से पहले मौजूदा सरकार ने निजीकरण बंद करने और सरकारी बसें लाने का वादा किया था, लेकिन अब वह वादाखिलाफी पर उतर आई है। कर्मचारी नेताओं ने बताया कि पंजाब के बेड़े में इस समय कुल 2500 बसें हैं, जो लगभग कंडम हालत में हैं। राज्य को कम से कम 10 हजार बसों की आवश्यकता है, लेकिन सरकार नई सरकारी बसें लाने के बजाय जबरदस्ती किलोमीटर स्कीम थोपने जा रही है। दादरी में धरना-प्रदर्शन क रहे सर्व कर्मचारी संघ के डिपो प्रधान सुनील फौजी, महासंघ के डिपो प्रधान राजेश मकड़ानी और इंटक यूनियन के डिपो प्रधान अरविंद झोझू ने पंजाब सरकार की कार्यशैली पर तीखा हमला बोला। उन्होंने बताया कि कल पंजाब सरकार और कर्मचारी नेताओं के बीच लगभग 7 घंटे तक मैराथन मीटिंग चली।

चरखी दादरी। मांगों को लेकर सांकेतिक धरने पर बैठे रोडवेज कर्मचारी।

अध्यापक संघ ने सांसद धर्मबीर को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

- टीईटी अनिवार्यता से छूट की मांग, सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के बाद हजारों शिक्षक कर रहे हैं नौकरी समाप्ति या पदोन्नति रुकने के संकट का सामना
- संसद के शीतकालीन सत्र में इस मुद्दे को उठाने और आरटीई अधिनियम 2009 में तत्काल संशोधन किया जाए

हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ ने भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र के सांसद चौ. धर्मबीर सिंह को मांगपत्र सौंपते हुए मांग की कि 23 अगस्त 2010 से पूर्व नियुक्त सभी शिक्षकों को शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) की अनिवार्यता से पूर्ण छूट प्रदान की जाए। उन्होंने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय ने एक सितंबर 2025 के निर्णय (सिविल अपील संख्या 1385/2025) में कहा है कि टीईटी अब उन शिक्षकों के लिए भी अनिवार्य है जो 23 अगस्त 2010 से पहले नियुक्त हुए थे, जबकि एनसीटीई ने पहले ऐसे शिक्षकों को पूर्ण छूट प्रदान की थी।

अब नए निर्णय के चलते हरियाणा के हजारों वरिष्ठ शिक्षक जिनमें अधिकांश 15 से 30 वर्षों से सेवा दे रहे हैं, नौकरी समाप्ति या पदोन्नति रुकने के गंभीर संकट का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस नियम को पूर्व प्रभाव से लागू करने से शिक्षकों में अत्यधिक मानसिक तनाव, भय और असुरक्षा पैदा हो गई है। इससे सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की कमी का संकट उत्पन्न होने की आशंका है। उन्होंने मांग की कि संसद के शीतकालीन सत्र में इस मुद्दे को शून्यकाल, विशेष उल्लेख, ध्यानाकर्षण या निजी सदस्य विधेयक के माध्यम से उठाया जाए। आरटीई अधिनियम 2009 की धारा 23 में तत्काल संशोधन कर 23 अगस्त 2010 से पहले नियुक्त शिक्षकों को स्थाई छूट प्रदान की जाए। प्रधानमंत्री, शिक्षा मंत्री व संसदीय स्थायी समिति (शिक्षा) के समक्ष यह मुद्दा मजबूती से उठाया जाए। आवश्यक होने पर सरकार सर्वोच्च न्यायालय में पुनर्विचार याचिका दायर करे, ताकि वरिष्ठ शिक्षकों के अधिकार सुरक्षित रह सकें।

प्रदूषण कम करने को ग्रैप-2 लागू करने के निर्देश

भिवानी। डीसी साहिल गुप्ता ने जिला में बहुत खराब वायु गुणवत्ता के चलते जिले में संशोधित ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (जीआरएपी) के चरण-द्वितीय लागू करने के निर्देश जारी किए हैं। नागरिक मोबाइल एप के माध्यम से प्रदूषणकारी गतिविधियों/स्रोतों की सूचना संबंधित प्राधिकारियों को दे सकते हैं। ग्रैप के तहत किए जाने वाले कार्यों का कार्यान्वयन के निर्देश दिए जा चुके हैं। डीसी साहिल गुप्ता ने अपने आदेशों में कहा है कि संबंधित अधिकारी वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) और हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एचएसपीसीबी) का 20 अक्टूबर 2025 का संचार सीएक्यूएम निर्देशों की अनुपालन सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को जिला भिवानी के अधिकार क्षेत्र में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने और रोकने के लिए संशोधित ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (जीआरएपी) के चरण-प्रथम और चरण-द्वितीय के तहत निर्धारित कार्यों का सख्त कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। नागरिक 311 एप, ग्रीन दिल्ली एप व समीर एप के माध्यम से प्रदूषण से संबंधित जानकारी दे सकते हैं। प्रदूषण के स्तर, नियंत्रण कक्ष के संपर्क के लिए इन मोबाइल ऐप का उपयोग कर किया जाएगा, जिससे वे प्रदूषणकारी गतिविधियों/स्रोतों की सूचना संबंधित प्राधिकारियों को दे सकते हैं।

पूर्व सैनिक धर्मपाल ने लगाई गोल्ड की हैट्रिक

भिवानी। कहते हैं कि उम्र केवल एक नंबर है और अगर दिल में जज्बा हो तो इंसान किसी भी पड़ाव पर सफलता के झंडे गाड़ सकता है। इस कहावत को सच कर दिखाया है खेल नगरी भिवानी निवासी 69 वर्षीय पूर्व सैनिक और मास्टर धर्मपाल शर्मा ने। उन्होंने जगाधरी में आयोजित 7वें हरियाणा स्टेट मास्टर्स गेम्स-2025 में अपनी फिटनेस का लोहा मनवाते हुए तीन गोल्ड मेडल जीतकर पूरे प्रदेश में जिले का नाम रोशन किया है। गेम्स फोर मास्टर्स एसोसिएशन हरियाणा द्वारा 30 नवंबर को जगाधरी पुलिस लाइन में राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। इस प्रतियोगिता के एथलेटिक्स इवेंट में भिवानी के निवासी मास्टर धर्मपाल शर्मा ने अद्भुत प्रदर्शन किया। मास्टर धर्मपाल ने 100 मीटर, 200 मीटर और 400 मीटर की दौड़ में अपने प्रतिद्वंद्वियों को पछाड़ते हुए तीनों स्पर्धाओं में प्रथम स्थान प्राप्त किया। अपनी इस शानदार उपलब्धि पर मास्टर धर्मपाल शर्मा ने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि उनकी दौड़ केवल मेडल जीतने के लिए नहीं, बल्कि आज की युवा पीढ़ी को जगाने के लिए भी है। उन्होंने कहा कि जब वे 69 साल की उम्र में मैदान पर पसीना बहा सकते है तो युवा क्यों नहीं।

भिवानी। पदक विजेता को सम्मानित करते हुए।

भिवानी। निर्माण कार्यों का निरीक्षण करते हुए।

गुणवत्ता में कोताही बरती तो नपेंगे ठेकेदार

भिवानी। नगरपरिषद के पार्षद सुभाष तंवर व संदीप यादव ने मंडी टाउनशिप में चल रहे निर्माण का औचक निरीक्षण किया। पार्षदों ने निर्माण सामग्री की जांच की। वहां पर लगाए जा रहे सीमेंट के ब्लॉक का साइज व उनकी गुणवत्ता भी जांची। टाउनशिप में बिछाए जा रहे ब्लॉक का लेवल की भी जांच की गई। इस दौरान पार्षदों ने कहा कि निर्माण सामग्री में कोई भी कोताही बर्दाश्त नहीं होगी। अगर कोई गड़बड़ी व अनियमितता बरती तो उनकी शिकायत जिला प्रशासन व सीएम कार्यालय में की जाएगी। पार्षद दोपहर बाद अनाजमंडी के समक्ष स्थित टाउनशिप में पहुंचे। वहां पर ढुकानों के आगे सीमेंट के ब्लॉक बिछाए जा रहे थे। पार्षदों ने पहले उनकी गुणवता जांची और उसके बाद ठेकेदार को बुलाकर भूमि के लेवल की भी जांच करवाई। चूंकि अगर लेवल में कोई गड़बडी हुई तो बारिश के दिनों में पानी आगे बहने की बजाय आसपास जमा होने लगेगा। साथ में एक लेवल में न बिछाने की वजह से ब्लॉक भी जल्दी टूटने लगते हैं। पार्षदों ने ठेकेदार को बताया कि इस मामले में किसी तरह की कोई कोताही व ढिलाई बर्दाश्त नहीं होगी। यहां यह बताते चले कि मंडी टाउनशिप इलाके में पानी व सीवर की लाइन के साथ-साथ ब्लॉक बिछाने का कार्य चल रहा है। इनके अलावा यहां पर पार्किंग आदि भी बनाई जा रही है। जिस पर सीमेंट के ब्लॉक बिछाए जा रहे है।

ट्रक व बाइक की टक्कर में 12वीं की छात्रा की मौत, सहेली घायल

- स्कूल जाने के लिए बाइक सवार से मांगी थी लिफ्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭तोशाम

सोमवार सुबह तोशाम में झील के सामने चौधरी बंसीलाल चौक पर मोटरसाइकिल व ट्रक से हुई सड़क दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार गांव पिंजोखरा निवासी एक युवती की दर्दनाक मौत हो गई वहीं मोटरसाइकिल सवार दूसरी लड़की घायल हो गई। घायल लड़की को तोशाम के एक निजी अस्पताल में दाखिल करवाया गया, जहां वह उपचाराधीन है। ट्रक को पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है।

उल्लेखनीय है कि सोमवार सुबह गांव पिंजोखरा निवासी करीबन 18 वर्षीय युवती मुस्कान स्कूल में पढ़ने के लिए अपने घर से निकली थी। अपने घर से जब वह गांव के बस स्टैंड पर आई तो वहां उसके ही गांव की एक और छात्रा करीबन 17 वर्षीय दिव्या मिल गई। यह दोनों छात्राएं तोशाम के राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में पढ़ती थी। जब इन्हें तोशाम आने के लिए गांव के बस स्टैंड से कोई बस नहीं मिली तो गांव दरियापुर निवासी एक युवक मोटरसाइकिल लेकर तोशाम आ रहा था। दोनों छात्राओं ने उस युवक से तोशाम जाने के लिए लिफ्ट मांगी।

मोटरसाइकिल चालक युवक ने दोनों छात्राओं को मोटरसाइकिल पर बिठा लिया। जब वह तीनों मोटरसाइकिल पर सवार होकर तोशाम पहुंचे तो तोशाम में झील के सामने चौधरी बंसीलाल चौक पर उनकी मोटरसाइकिल की टक्कर एक ट्रक के साथ हो गई। इस दौरान मोटरसाइकिल पर सवार मुस्कान की मौके पर ही मौत हो गई तथा दिव्या इस सड़क दुर्घटना में घायल हो गई, जिसे आनन-फानन में तोशाम के एक निजी अस्पताल में दाखिल करवाया गया। मोटरसाइकिल चालक युवक को मामूली चोट आई जिसे प्राथमिक उपचार के पश्चात घर भेज दिया गया।

12वीं में पढ़ती थी मुस्कान

मृतक छात्रा मुस्कान तीन बहन भाई थे। मुस्कान का भाई उससे बड़ा है तथा एक छोटी बहन है। तोशाम के राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य सुदेश कुमार यादव ने बताया कि मृतक युवती मुस्कान तोशाम के राजकीय मॉडल विद्यालय में कक्षा 12वीं की छात्रा थी तो दूसरी लड़की दिव्या इसी विद्यालय में कक्षा 11वीं की छात्रा है।

धर्म

गीता की आरती के साथ गीता जयंती महोत्सव का हुआ समापन

झांकियों में दिखी गीता के 18 अध्यायों की झलक

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

तीन दिन से चल रहे गीत जयंती महोत्सव का सोमवार को समापन हो गया। इस अवसर पर निकाली गई शोभा यात्रा से वातावरण कृष्णमय हो गया। शोभायात्रा का शुभारंभ एडीसी दीपक बाबूलाल करवा ने किया। इस अवसर पर एडीसी दीपक बाबूलाल करवा ने कहा कि गीता हमें कर्मयोगी बनने और सत्य की राह पर चलने का संदेश देती है।

विभिन्न स्कूलों द्वारा गीता के 18 अध्यायों पर आधारित शोभायात्रा निकाली गई। इस दौरान गीता पर आधारित भजन गाकर वातावरण को गीतामय बना दिया। भिवानी पब्लिक स्कूल द्वारा कर्मयोग, भक्ति आयोग और ज्ञान योग, दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल द्वारा कर्मयोग एवं आत्मा के बारे में बताया गया। जनसेवा विद्या विहार हाई भगवान श्रीकृष्ण द्वारा गीता का उपदेश, द आर्यन स्कूल गीता के चौथे अध्याय, सर्वपल्ली राधाकृष्णन लैब स्कूल ने गीता की गरिमा, डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल ने कृष्ण-अर्जुन संवाद व वैश्य मॉडल सी.से. स्कूल ने कर्मयोग को प्रधान दिखाया गया। केएम पब्लिक स्कूल ने भगवान कृष्ण द्वारा अर्जुन को दिया गया गीता सन्देश संजय को धृतराष्ट्र को सुनाने का संदर्भ दिखाया गया। लिटिल हर्ट पब्लिक स्कूल की झांकी में दिखाया गया कि कण-कण में भगवान है। हलवासिया विद्या विहार स्कूल ने गीता के श्लोक, टीआईटी सी.सै. स्कूल व जी लिट्रा स्कूल ने भगवान कृष्ण का विराट स्वरूप को दिखाया गया। पंडित सीता राम शास्त्री स्कूल ने गीता उपदेश व शिशु भारती हाई स्कूल की झांकी में दर्शाया गया है कि हर व्यक्ति को निस्वार्थ कर्म करते रहना चाहिए। राइजिंग स्टार कान्वेंट स्कूल द्वारा गीता के 15वें अध्याय को बताया गया।

गीता महोत्सव के तीसरे दिन ठीक 11 बजे एक मिनट एक साथ गीता पाठ किया गया, जिसमें विवेकानंद हाई स्कूल के बच्चे शामिल हुए। वहीं, 12 बजे गीता वैश्विक मंत्रोच्चारण किया गया।

भिवानी। गीता जयंती महोत्सव पर बच्चों द्वारा तैयार की गई झांकी व झंडी दिखाकर शोभायात्रा को रवाना करते हुए।

यहां से गुजरी

नगर शोभायात्रा का शुभारंभ किरोड़ीमल पार्क से किया गया। शोभायात्रा शहर के विभिन्न मुख्य क्षेत्रों कृष्णा कॉलोनी, घंटाघर चौक, हांसी चौक, लोक निर्माण विश्राम गृह, बीटीएम चौक, वैश्य कॉलेज से होते हुए किरोड़ीमल पार्क में गीता जयंती महोत्सव के प्रदर्शनी स्थल पर पहुंची। रास्ते में शहर की विभिन्न धार्मिक तथा सामाजिक संस्थाओं द्वारा शोभायात्रा का स्वागत किया गया। शोभायात्रा में सबसे आगे चल रहा बैंड मधुर छटा बिखेर रहा था। इस दौरान कृष्णा कॉलोनी में जिओ गीता, घंटाघर चौक पर डॉक्टर विनोद आंचल और हांसी गेट पर केएम स्कूल के सामने वर्धमान ज्वैलर्स द्वारा बच्चों को प्रसाद वितरण किया गया।

हर्ष को मिला 61 लाख की नौकरी का ऑफर

- आईआईटी खड़गपुर के छात्र हर्ष कालीरावण ने युवाओं के सामने पेश की मिसाल

हरिभूमि न्यूज ⏭तोशाम

आईआईटी खड़गपुर में बुशान गांव के छात्र हर्ष कुमार ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। हर्ष कुमार कालीरावण को दुबई की कंपनी ने डाटा साइंटिस्ट 61 लाख रुपये का ऑफर दिया है।

छात्र हर्ष कुमार ने जीरो डे ऑफर प्राप्त किया। इसका सारा श्रेय हर्ष कुमार ने अपने अभिभावकों और गुरुजनों को दिया है।

इसके लिए हर्ष ने अपने दादा दीवान सिंह कानूनगो से समय-समय पर पढ़ते रहने की प्रेरणा देने की बात कही और इसी कड़ी में हर्ष कुमार के पिता जो पूर्व में पत्रकार एवं वर्तमान में अध्यापक है। हर्ष की माता भी एक अध्यापिका है उन्होंने भी समय-समय पर अच्छी पढ़ाई के लिए प्रेरित किया और उसी का आज परिणाम है कि हर्ष कुमार कालीरामन आज ऊंचाइयों पर पहुंचे हैं।

हर्ष कुमार।

हरिभूमि
रोहतक मंगलवार
2 दिसंबर 2025
सहेली

अपने प्रोफेशन में सक्सेसफुल होने के लिए जरूरी है, अपने वर्क पर फोकस्ड रहें, समय पर टार्गेट अचीव करें और उन आने वाली बाधाओं का आपको आभास हो, जो भविष्य में आ सकती हैं। साथ ही यह भी जरूरी है कि बदले समय के अनुसार आप टेक स्मार्ट भी बनें। लेकिन कुछ लोग ऐसा कर नहीं पाते। इसके लिए जरूरी है, अपने वर्क को सही ढंग से मैनेज करें, यह कैसे संभव है, जानें।

ऐसे मैनेज करें वर्क समय पर अचीव होंगे टार्गेट

कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन

उस दिन सुनीता अपनी कुलीग कामिनी से बोली, 'यार सब बोलते हैं, बड़े सपने देखो, बड़ा सोचो, अपने टार्गेट बड़े रखो। तभी बड़ी सक्सेस पाओगी, लेकिन मैंने तो सब कुछ करके देख लिया। रोज अपने वर्क की लिस्ट बनाती हूं। सुबह से रात तक पूरी मेहनत से काम करती हूं। इसके चलते फैमिली और फ्रेंड्स को टाइम नहीं दे पाती, लेकिन नतीजा वही ढाक के तीन पात।'अपनी बात कहकर सुनीता ने कामिनी से यह भी जानना चाहा, 'तुम सब कुछ कैसे मैनेज कर लेती हो, जो फैमिली को भी टाइम देती हो और अपने प्रोजेक्ट भी समय पर कंप्लीट कर लेती हो और तुम्हारा प्रमोशन भी हो जाता है?' कामिनी ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, 'सुनीता, न तो यह बहुत कठिन है, न असंभव। बस तुम्हें अपने रोज के वर्क-टार्गेट की लिस्ट बनाकर अपनी टीम, टाइम और टेक्नोलॉजी के साथ कॉर्डिनेट करना होगा, टालू टेकनीक से दूर रहना होगा।' यहां एक बात और समझनी चाहिए कि व्यक्ति अपने जीवन के सभी लक्ष्यों को तभी आसानी से अचीव कर सकता है, जब वह उन इच्छाओं को छोड़ दे, जो उसके मिशन के अपोजिट हों। जी हां, अगर आप कुछ छोटी-छोटी बातों को ध्यान रखें तो अपने सभी काम टाइम से मैनेज कर सकती हैं, आसानी से अपने लक्ष्य पूरे कर सकती हैं।

डालें सपोर्ट लेने की आदत

सबसे पहले आपको अपनी सभी जिम्मेदारियों की समीक्षा करनी होगी। इसके लिए आपको तय करना होगा, कौन से काम आपको खुद करने हैं, कौन से काम आपको अपनी टीम को सौंपने हैं, ताकि आप बेहतर तरीके से सभी काम तय सीमा में पूरे कर सकें। साथ ही आप यह जानें कि कौन से कामों की जिम्मेदारी दूसरों को देने से आपको कोई दिक्कत नहीं होगी और कौन-से काम आपको स्वयं करना चाहिए?

बेवजह बिजी न रहें

आप दूसरों के कामों में न उलझें। बेवजह लोगों से मिलना-जुलना बंद करें। गैरजरूरी मीटिंग्स से दूर रहें ताकि आपका समय बर्बाद न हो। जब-तब मीटिंग्स अटेंड न करें। अगर किसी मीटिंग में आपकी मौजूदगी जरूरी नहीं है तो उसमें से खुद को हटा लें। ऐसा करने से आपका अतिरिक्त बोझ हल्का हो जाएगा, आप अपने मुख्य काम पर ज्यादा ध्यान दे सकेंगी।

टेक स्मार्ट बनिए

आज के समय में स्मार्टफोन और इंटरनेट ने दूरियां कम कर दी हैं। टेक सेवी व्यक्ति की कार्य क्षमता बढ़ा दी है। पहले आपको किसी व्यक्ति से मिलकर ही सब बातें करनी होती थीं, मीटिंग के लिए दूर जाना पड़ता था, पेमेंट के लिए बैंक जाना पड़ता था, इसमें समय खर्च होता था। अब आप अपनी डेस्क पर बैठकर एनईएफटी, आरटीजीएस या यूपीआई से पेमेंट कर सकती हैं। वीडियो कॉल या जूम मीटिंग से एक साथ कई लोगों के साथ डिस्क्स कर सकती हैं। ई-मेल, व्हाट्स एप से डॉक्यूमेंट, फोटो, सैंपल भेज सकती हैं। जहां फिजिकल सैंपल भेजना हो, वहां पोर्टर एप के माध्यम से भेज सकती हैं। इसलिए टेक स्मार्ट बनिए, समय के साथ चलिए।

खुद को दें वक्त

एनर्जी री-स्टोर करने के लिए खुद को थोड़ा आराम देने के लिए टाइम निकालें। काम के बीच में ब्रेक लेना, परिवार और दोस्तों के साथ समय बिताना या अपने शौक पूरे करना भी जरूरी है। इससे आप अधिक ऊर्जावान होकर स्पष्ट सोच पाएंगी, भविष्य के लिए बेहतर निर्णय ले सकेंगी।

विभिन्न लक्ष्यों में सामंजस्य जरूरी

विभिन्न लक्ष्यों के बीच सामंजस्य बैठाने के लिए आप अपने सबसे महत्वपूर्ण लक्ष्यों और उन्हें हासिल करने वाली गतिविधियों को साफ-साफ डायरी में लिख लीजिए, इसके बाद यह समझने की कोशिश करें कि कौन से लक्ष्य आपस में जुड़े हैं, एक-दूसरे की पूर्ति करते हैं। उदाहरण के लिए अगर आपका लक्ष्य फिट रहना और स्टडी में भी अच्छा प्रदर्शन करना है तो नियमित व्यायाम दोनों में मदद करेगा। यह आपके स्वास्थ्य को बेहतर बनाएगा और स्टडी के लिए एनर्जी भी देगा। इसी तरह जब आप अपने दोनों लक्ष्यों के सामंजस्य को पहचान लेंगी तो आपकी छोटी-सी मेहनत भी एक साथ कई बड़े लक्ष्यों को पूरा करने में मदद करेगी।

इच्छाओं के जाल में न उलझें

हर इच्छा, लक्ष्य नहीं हो सकती। कई बार मन में उपजे विचार सिर्फ प्रलोभन होते हैं, जो आपकी मेहनत को बर्बाद करते हैं। इसलिए आत्म-नियंत्रण बेहद जरूरी है, ऐसी अनुत्पादक, निरर्थक इच्छाओं को समय रहते पहचानना और उनसे जितना संभव हो दूर रहना बेहद जरूरी है।

बाधाओं का अंदाजा रखें

जब आप कोई लक्ष्य निर्धारित करें तो उसके रास्ते में आने वाली संभावित बाधाओं का पहले से अंदाजा लगाएं। ऐसा करने से आप विचलित होने की बजाय, अपने मुख्य उद्देश्यों पर ही टिकी रहेंगी। संघर्ष करने से कभी हिचकेंगी नहीं, अपना मनचाहा टार्गेट पा लेंगी। a

भविष्य में बच्चे तभी सुनेंगे आपकी जब बचपन में आप सुनेंगे उनकी

बहुत से अभिभावक अपने बच्चों की बातों पर ध्यान नहीं देते, उनकी उलझनों और सवालों को इग्नोर कर देते हैं। लेकिन ऐसा करने से उनके कोमल मन पर बुरा असर पड़ता है। जो वर्षों बाद अभिभावक को बच्चों से मिलने वाली उपेक्षा के रूप में सामने आ सकता है। इसलिए जरूरी है कि हम अपने बच्चों की हर बात को पूरे ध्यान से सुनें।

परवरिश
कृति आर. के. जैन

अगर किसी दिन आपका बच्चा आकर आपसे कहे, 'मम्मी, मुझे आज स्कूल नहीं जाना।' इस पर आप बिना इसकी वजह पूछे, बस उससे कह देती हैं, 'नहीं कोई बहाना नहीं चलेगा, चुपचाप तैयार होकर स्कूल जाओ।' तो उस क्षण आप भले सोचें कि आप बच्चे को अनुशासित रख रही हैं। लेकिन ऐसा बार-बार करने से बच्चे के मन में आपके प्रति भरोसे का छोटा-सा दरवाजा बंद हो रहा होता है। समय बीतता है, बच्चा बड़ा होता है। किशोरावस्था के किसी मोड़ पर वह अपने कमरे में खुद को बंद कर लेता है। चुप, उलझा हुआ, भीतर ही भीतर टूटता हुआ। आप बाहर खड़ी होकर बार-बार पुकारती हैं, 'क्या हुआ बताओ बेटा?' लेकिन तब तक वह दरवाजा लकड़ी का नहीं रह जाता। वह अनकही बातों, दबी भावनाओं की मोटी दीवार बन चुका होता है।

दरअसल, जो अभिभावक अपने बच्चों की छोटी-छोटी बातों को, उनकी उलझनों को नहीं सुनते, वे बच्चे बड़े होने पर अपने पैरेंट्स की बातें, उनकी हिदायतें कुछ नहीं सुनते।

समझाने से पहले उन्हें समझें: हम अकसर मान लेते हैं कि बच्चों को समझाना हमारा अधिकार है, जबकि सच यह है कि उन्हें समझना हमारा सबसे बड़ा फर्ज है। जब सात-आठ साल की बेटी कहती है, 'मां, मुझे यह फ्रॉक पसंद नहीं।' इस पर अगर आप जवाब देती हैं, 'पहनो इसे, इतने पैसे खर्च करके खरीदा है।' तो आप सिर्फ कपड़े की नहीं, उसकी पसंद, उसकी पहचान और उसकी इच्छा की कीमत कम कर देती हैं। वही बेटी जब बड़ी होकर पैरेंट्स के पसंद के किसी रिश्ते से इंकार कर देती है या करियर की राह अपने मन से चुन लेती है तो पैरेंट्स को लगता है कि वह हमारे बारे में नहीं सोचती। सच यह है कि हमने उसके लिए सोचना कभी सीखा ही नहीं था। सुनना सिर्फ कान खोलना नहीं, दिल खोलना भी होता है। अगर आप मोबाइल में बिजी हैं, और आपका बच्चा आपसे कुछ कह रहा है तो मोबाइल को एक मिनट के लिए साइड में रख देने से कोई बहुत बड़ा काम नहीं बिगड़ जाएगा। लेकिन उसकी बात ध्यान से अगर आप सुनती हैं तो वह बच्चा यह समझ जाता है कि उसकी भावनाएं, उसकी बातें और उसकी मौजूदगी की उसके अभिभावक की नजर में बहुत कीमत है। इससे उसके भीतर कहीं संस्कार भी निर्मित होता है कि अपनों की बात को सुनना चाहिए।

बचपन का भरोसा रहता है उम्र भर: जिस बच्चे की आवाज को बचपन में जगह मिलती है, वह किशोरावस्था की दहलीज पर पहुंचकर न तो भावनाओं को छुपाता है, न ही विद्रोह की आग में जलता है। वह खुलकर बताता है। दोस्तों की गलत संगत से लेकर पहले प्रेम की घबराहट तक, करियर की उलझनों से लेकर मन में उठती बेचैनी तक, सब कुछ। जिस बच्चे की छोटी-सी बात आज आप धैर्य से सुन लेते हैं, वही बच्चा कल आपकी सबसे बड़ी परेशानी में आपके लिए सबसे भरोसेमंद साथी बन जाता है।

बिना रोके-टोके सुनें उसकी बात: अगर आज हम अपने बच्चे की बात को हंसकर, टालकर, 'अरे, बच्चों की बातें हैं।' कहकर किनारे कर देंगे, तो आने वाले वर्षों में वही बच्चे हमारी बात को 'बूढ़ों की जिद' कहकर हवा में उड़ा देंगे। उस दिन हमें हमारा ही घर कैसा लगेगा? उस दिन हमें बहुत तकलीफ होगी यह सोचकर कि हमारे बच्चे हमारी ही नहीं सुनते लेकिन हम यह भूल जाते हैं कि उनके बचपन में संवाद का पुल तो हमने ही तोड़ दिया था। कभी-कभी पूरे भविष्य की दिशा एक ही पल तय कर देता है। इसलिए आज अपने आप से वादा कीजिए, जब आपका बच्चा कुछ कहे तो बीच में रोके-टोके बिना, उसकी पूरी बात सुनिए, क्योंकि बचपन में मिलने वाला यह सुनने का छोटा-सा मौका, जो आज बेहद साधारण लगता है, वही कल रिश्तों को मजबूत रखने वाला सबसे बड़ा आधार बनता है। a

सजेशन
मधु सिंह

जिस तरह से गर्मी के मौसम में गर्महिट का कम एहसास हो, इसके लिए हम अपने घर में कई बदलाव करते हैं। उसी तरह सर्दी के मौसम में भी कुछ बदलाव कर सकते हैं, इनसे ठंड का एहसास कम होगा। इन छोटे-छोटे और ईजी बदलावों के बारे में आप भी जरूर जानना चाहेंगी।

क्या आप कर चुकी हैं अपने घर को विंटर रेडी!

सर्दी का मौसम शुरू हो चुका है। सुबह और शाम ज्यादा ठंडी महसूस होती है। दिन छोटे होने के कारण शाम को अंधेरा जल्दी होता है। घर से बाहर रहने पर बस मन करता है कि जल्द से जल्द घर में पहुंच जाएं। लेकिन घर में गर्माहट का एहसास तभी होगा, जब आप अपने घर को विंटर रेडी बनाएंगी, अपनी जीवनशैली में जरूरी बदलाव करेंगी। सर्दी के आने वाले दिनों के लिए जब खूब ठंड पड़ेगी, उसके लिए अपने घर को इस तरह तैयार कर लें, जो आपके लिए आरामदायक हो।

ऐसे बनी रहेगी गर्माहट: गर्मी के मौसम में जहां हल्के कूलिंग इफेक्ट वाली कॉटन ड्रेसेस की फर्निशिंग जरूरी होती है। ठीक इसके विपरीत सर्दी के मौसम में वुलेन बेडशीट, पर्दे, रग्स, सोफा कवर, तकिए के गिलाफ, कुशन कवर हों तो वे गर्मी को रोकते हैं और कमरे की गर्माहट को बनाए रखते हैं। ऊनी कालीन एक प्राकृतिक इंसुलेटिंग एजेंट की तरह काम करता है। इनसे हम सर्दियों में कमरे को ज्यादा आरामदायक बनाकर ऊर्जा की खपत कम करके कमरों को गर्म रख सकते हैं।

बेडरूम में मिले कोजी फील: सर्दी के मौसम में हम सभी का बेडरूम में ज्यादा समय बीतता है। इसलिए जितना संभव हो, उसमें बदलाव करना चाहिए। गर्मियों के लिए हल्के बिस्तर की जगह, वुलेन बेडशीट, पिलो कवर, रग्स, कालीन, पर्दों का इस्तेमाल करें ताकि कमरों में गर्मी बनी रहे। आप रात भर आराम से सो सकें और बेडरूम के लुक को भी खूबसूरत बना सकें। इसके लिए गहरे रंगों की बेड शीट्स, कुशन कवर और पिलो कवर का इस्तेमाल करें, जो गर्माहट लाने में हेल्प करते हैं।

दरवाजे-खिड़कियों में बदलाव: सर्दी के दिनों में कमरे की ज्यादातर गर्मी, खिड़की और दरवाजों से निकलती है, इसलिए उन्हें प्लास्टिक की सीलिंग से या बोर्ड से सील करवा दें। उन पर मोटे फैब्रिक वाले पर्दे लगाएं। पर्दे ऐसे होने चाहिए कि धूप और गर्मी अंदर आ सके और जो रात में ठंड को अंदर आने से रोक सके। शाम के बाद दरवाजे और खिड़कियों को बंद करके रखें। बाहर की ओर खुलने वाले दरवाजों की दरारों को सील करवाएं ताकि घर में गर्माइश बनी रहे।

पोर्टेबल स्टोव: जब ठंड ज्यादा बढ़ती है तो आग तापने से बड़ी राहत मिलती है। तापमान गिरने पर आप चाहें तो पोर्टेबल इलेक्ट्रिक हीटर या गैस स्टोव को किचेन के बजाय कहीं अन्य सुविधाजनक स्थान पर रखकर खाना बना सकती हैं, इससे घर को गर्म रखा जा सकता है।

वैकल्पिक तरीके भी आजमाएं: सर्दी के दिनों में जब पावर कट ज्यादा होता है तो ऐसे में इलेक्ट्रिक से चलने वाले इंस्ट्रूमेंट्स जैसे हीटर और ब्लोअर यूज नहीं हो पाते हैं। ऐसे में अपने घर को गर्म बनाए रखने के वैकल्पिक तरीके भी रेडी रखें। वार्म पैड या फायर प्लेस को दुरुस्त रखें, ये बिजली की तुलना में सस्ते तो होते ही हैं, बिजली न होने पर ठंड से परेशान होने की बजाय इनके इस्तेमाल से घर को गर्म रखा जा सकता है। यहां बताए गए इन तमाम उपायों को आजमा कर आप अपने घर के वातावरण को आसानी से गर्म रख सकती हैं। a

तैयार कर लें वार्म ड्रेसेस

आने वाले दिनों में कड़ाके की ठंड के लिए मोटे फैब्रिक की ड्रेसेस और कंबलों को तैयार रखें। अगर उन्हें ट्रंक या दीवान में स्टोर करके रखा गया है, तो उनको धूप लगवाने के बाद ही इस्तेमाल करें। टोपी, दस्ताने, मोजे और घर के अंदर पहनने के लिए ऐसी चप्पल मंगवा लें, जो पैरों को गर्म रख सकें। हाथ पैर और सिर से ज्यादा ठंड लगती है। इसलिए वुलेन मोजे, दस्ताने और कैप भी निकाल लें।

हेयर केयर
शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

इस मौसम में ऐसे करें बालों की देखभाल

सर्दी के मौसम में कम तापमान की वजह से बालों में खुश्की बढ़ जाने से बाल काफी खराब हो जाते हैं। इस मौसम में ज्यादातर लोग बालों को धोने के लिए गर्म पानी का उपयोग करते हैं। इससे बालों में खुश्की हो जाती है। इसलिए जरूरी है कि सर्दी के मौसम में गुनगुने पानी का उपयोग करें और गर्म पानी से नहाने से परहेज करें। जिससे बालों के टूटने का खतरा बढ़ जाता है। गर्म पानी बालों से प्राकृतिक तेल सोख लेता है, जिससे बाल शुष्क हो सकते है। इसके साथ ही डेंड्रफ और स्कैल्प में खुजली की समस्या भी हो सकती है। सामान्य तापमान के और गुनगुने पानी से नहाने से बालों में नमी बरकरार रहती है और बाल मुलायम, चमकदार बने रहते हैं।

कंडीशनर का यूज करें: सर्दी के मौसम में ऐसे शैंपू और कंडीशनर का उपयोग करें, जो बालों को नमी प्रदान करते हों। इन उत्पादों में एलोवेरा, शिया बटर और किरेटिन आदि तत्वों से बालों को पोषण मिलेगा और बालों में नमी बरकरार रहेगी। सर्दियों में लाइट वेट हाइड्रेटिंग सीरम और लीव इन कंडीशनर के उपयोग से बालों में नमी बनी रहेगी और बाल मुलायम बने रहेंगे। अल्कोहल और सल्फेट युक्त शैंपू या कंडीशनर बालों के लिए नुकसानदायक साबित हो सकते हैं।

नारियल तेल: बालों में लगातार खुश्की की वजह से डेंड्रफ की समस्या गंभीर हो जाती है। डेंड्रफ और दो मुंहे बालों की समस्या से निपटने के लिए गर्म तेल से मालिश काफी लाभदायक साबित होती है। सप्ताह में एक या दो बार शुद्ध नारियल तेल को गर्म करके इसे सिर पर लगाएं। इसके बाद एक तौलिए को गर्म पानी में डुबोकर निचोड़ लें और 5 मिनट तक सिर पर बांध लें। इस प्रक्रिया को 3-4 बार दोहरा लीजिए और तेल को रात भर बालों में लगा रहने दीजिए। अगर आपके बालों में डेंड्रफ है तो अगली सुबह सिर में नीबू का रस लगाकर 15 मिनट बाद बालों को धो लें। बालों को धोने के लिए हल्के गर्म पानी का ही प्रयोग करें। शैंपू करने के बाद पानी के मग में दो चम्मच सिरका डालकर बालों को धो लें फिर अच्छे तरीके से साफ पानी से भी बालों को धो डालें।

मसाज जरूर करें: रूखापन बढ़ने की वजह से बालों में नमी और तैलीयपन में कमी आ जाती है। इससे बालों में पोषाहार की जरूरत ज्यादा बढ़ जाती है। बालों में नारियल तेल की मालिश से बालों को पोषाहार मिलता है। यदि आप नारियल तेल लगाकर हल्की-हल्की मालिश करती हैं तो इससे बालों की कोशिकाओं में ब्लड सर्कुलेशन बढ़ जाता है। बालों को हल्के से तेल से मालिश करने के लिए केवल फिंगर टिप्स का ही सहारा लीजिए और सिर को हल्के-हल्के से विभिन्न दिशाओं में घुमाइए। इससे बालों की कोशिकाओं में अच्छी तरह ब्लड फ्लो होता है। तेल को रात भर बालों में लगा रहने दीजिए और अगले दिन सुबह बालों को गुनगुने पानी से धो डालिए। बालों को तौलिए से रगड़ने की बजाय, तौलिए को सिर पर बांधें ताकि बालों में मौजूद पानी तौलिए में समा जाए। अगर बाल शुष्क और नाजुक हों तो ड्रायर का यूज न करें। बालों को प्राकृतिक तौर पर सूखने दें। अगर आप हेयर ड्रायर का उपयोग करती है तो उसे बालों से कम से कम 10 इंच दूरी पर रखें। a

एडवाइस
प्रतिभा अग्निहोत्री

जब जाएं वर्केशन पर रखें इन बातों का ध्यान

वर्क फ्रॉम होम करने वाले यंगस्टर एक जगह काम करते ऊब जाते हैं, इसलिए वे अलग-अलग रिमोट एरियाज में जाकर काम करना पसंद कर रहे हैं। अगर आप भी वर्केशन पर जा रही हैं तो किन बातों का ध्यान रखें, जानें।

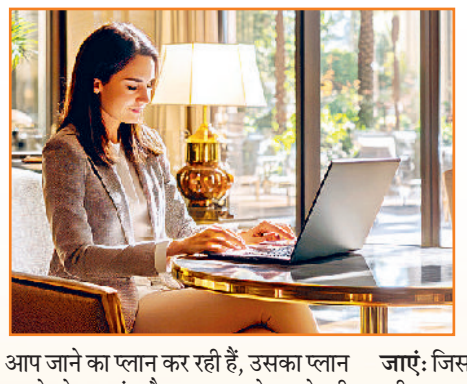

इंग्लिश वर्ड वर्क-वेकेशन से मिलकर बना यह शब्द 'वर्केशन' आज की जेन जी यंगस्टर्स का सबसे फेवरेट शब्द है, जिसमें वे एक जगह रुककर काम करने के स्थान पर अलग-अलग रिमोट एरियाज में जाकर ऑफिस वर्क करते हैं। आजकल अधिकांश कंपनियों ने अपने एंप्लॉइज को वर्क फ्रॉम होम दे दिया है, जिसके कारण वे एक कमरे में बैठकर काम करते हैं। निरंतर एक ही स्थान पर काम करने के कारण धीरे-धीरे उन्हें काम और जगह दोनों से ही बोरियत होना शुरू हो जाती है, फिर उनका काम में मन नहीं लगता। इस बोरियत से बचने के लिए यंगस्टर अपना लैपटॉप और ऑफिस का अन्य जरूरी सामान लेकर दूर-दराज के टूरिस्ट प्लेस पर चले जाते हैं, वहां रहकर वर्किंग ऑवर में काम करते हैं, शेष समय में वे आस-पास की जगहों पर घूमते हैं। इस तरह वे वर्क और वेकेशन दोनों एक साथ कर लेते हैं। यदि आप भी वर्केशन पर जाने का प्लान कर रही हैं तो कुछ बातों का ध्यान जरूर रखें-

समय से कर लें बुकिंग: जिस भी जगह पर आप जाने का प्लान कर रही हैं, उसका प्लान पहले से बनाएं और समय रहते, रहने की बुकिंग कर लें ताकि आप निश्चिंत होकर अन्य तैयारियों पर ध्यान दे सकें।

नेटवर्क है बहुत जरूरी: चूंकि आजकल सारे काम इंटरनेट के माध्यम से होते हैं, इसलिए स्थान चुनने से पहले वहां नेटवर्क की उपलब्धता सुनिश्चित कर लें, क्योंकि कुछ पर्यटक स्थलों पर नेटवर्क की बहुत प्रॉब्लम रहती है। नेटवर्क न होने पर आपका काम प्रभावित हो सकता है।

जानकारी लेकर और देकर जाएं: जिस स्थान पर आप जा रही हैं, उसकी पूरी जानकारी यू-ट्यूब, इंस्टाग्राम या फिर अपने परिचितों से लेकर जाएं, ताकि आप अपनी तय जगह पर जाकर काम करने के साथ-साथ सुगमता से घूम भी सकें। अपने परिवारजनों और मित्रों को गंतव्य स्थल की पूरी जानकारी देकर जाएं ताकि आपात स्थिति में आपसे संपर्क किया जा सके।

पैरेंट्स को यूं करें तैयार: अकसर अविवाहित युवा बेटियों को इस तरह से अकेले वर्केशन पर भेजने के लिए पैरेंट्स तैयार नहीं होते, ऐसे में विरोध करने की बजाय उन्हें प्यार से वर्केशन के बारे में डिटेल जानकारी दें ताकि वे खुशी-खुशी मानसिक रूप से तैयार हो सकें।

बजट का रखें ध्यान: चूंकि वर्केशन के दौरान आप अधिक समय तक एक ही जगह पर रहती हैं, इसलिए बजट फ्रेंडली प्लेस का सेलेक्शन करना बहुत जरूरी है ताकि आप कम खर्चे में वर्केशन एंज्वॉय कर सकें।

जरूरी उपकरण लेकर जाएं : रोमिंग सिम कार्ड, पावर बैंक, मोबाइल और लैपटॉप का चार्जर आदि अपने साथ लेकर जाएं।

जरूरी दवाएं साथ रखें: यदि आप कोई मेडिसिन लेती हैं तो उसे पर्याप्त मात्रा में लेकर जाएं। इसके साथ-साथ बुखार, पेटदर्द, सिरदर्द और वॉमिटिंग की दवाएं भी अपने साथ जरूर लेकर जाएं ताकि जरूरत पड़ने पर आप उनका उपयोग कर सकें। a

खबर संक्षेप

हलवासिया के विद्यार्थियों ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

भिवानी। हलवासिया विद्या विहार के विद्यार्थियों ने गत 28 नवंबर को धनाना पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित प्रतियोगिता में अव्वल रहते हुए विद्यालय को गौरवान्वित किया। अंडर-14 खेल लांग जंप में कक्षा छठी से छात्र मलाई ने प्रथम, कक्षा आठवीं से छात्रा वामिका ने प्रथम व कक्षा सातवीं से छात्रा छवि ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। अंडर- 17 खेल लांग जंप में विद्यार्थियों की उपलब्धियों के परिणाम इस प्रकार रहें- कक्षा दसवीं से छात्रा वर्षा ने प्रथम व शॉट पुट में कक्षा दसवीं से वंशिका ने भी प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं अंडर -14 खेल खो-खो में छात्रों की टीम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। टीम में प्रतिभागिता निभाने वाले छात्रों के नाम इस प्रकार हैं-कक्षा छठी से अमित, मलाई, लोमा, मुकेश, आशीष ,मनजीत तथा कक्षा सातवीं से साहिल, रोहित,वंश और कक्षा आठवीं से देव , नकुल व नेनथोक ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। विद्यालय पधारने पर प्रार्थना सभा में प्रशासक शमशेर सिंह अहलावत एवं प्राचार्य विमलेश आर्य ने विजेता विद्यार्थियों को मेडल व ट्रॉफी देखकर सम्मानित किया। इस अवसर पर उप-प्राचार्य दीपक वशिष्ठ, वरिष्ठ विभाग प्रमुख एलेग्जेंडर दास, अमरेंद्र कुमार, सुवीरा गर्ग, खेल प्रशिक्षक राममगत आदि उपस्थित रहे।

कानूनी सहायता क्लीनिक का उद्घाटन

भिवानी। चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय के कानून विभाग द्वारा डीएलएसए के तत्वावधान में कानूनी सहायता क्लीनिक का उद्घाटन किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में विद्यार्थियों, शिक्षकों और आम जन की उल्लेखनीय उपस्थिति रही, जिससे कार्यक्रम का माहौल अत्यंत उत्साही एवं जागरूकतापूर्ण बन गया। उद्घाटन समारोह में सीजेएम पवन कुमार बतौर मुख्यतिथि व विवि की कुलपति दीप्ति धर्मानी विशेष रूप से उपस्थित रही। सीजेएम पवन कुमार ने कहा कि गरीब और असहाय व्यक्तियों के लिए ऐसे कानूनी सहायता क्लीनिक किसी वरदान से कम नहीं हैं, क्योंकि इनके माध्यम से उन्हें निःशुल्क और सुलभ विधिक सहायता प्राप्त होती है। उन्होंने कानून विभाग के छात्रों से आग्रह किया कि वे इस क्लीनिक के माध्यम से अधिक से अधिक व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करें और समाज के पिछड़े तथा वंचित वर्गों तक न्याय पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

लड़के व लड़कियों की सब जूनियर खो-खो प्रतियोगिता का समापन

खो-खो चैंपियनशिप में लड़कों व लड़कियों में हिसार ने मारी बाजी

बवानीखेड़ा के गांव बोहल में खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

बवानी खेड़ा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव बोहल में चल रही लड़के व लड़कियों की सब जूनियर खो-खो प्रतियोगिता का समापन हो गया। जिसमें सभी जिलों के लडके व लड़कियों की टीमों ने भाग लिया। बड़े रामोचंक मुकाबले में लडकों में हिसार ने चरखी दादरी को 4 अंकों से पराजित कर प्रथम स्थान हासिल किया तथा कैथल व कुरूक्षेत्र संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर रहे। वही लड़कियों में हिसार ने फतेहाबाद को कड़े मुकाबले में 3 अंकों से हराकर प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा जींद व चरखी दादरी संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर रही।

यह जानकारी हरियाणा स्पोर्ट्स खो-खो एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष कृष्ण यादव ने दी। उन्होंने कहा कि इस प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का हरियाणा स्पोर्ट्स खो-खो एसोसिएशन के महासचिव महेंद्र सिंह कंबोज के नेतृत्व में चयन समिति ने राष्ट्रीय सब जूनियर खो-खो प्रतियोगिता, जो कि 31 जनवरी से 4 फरवरी तक होगी, उसके लिए चयन किया गया। विजेता टीमों को हरियाणा स्पोर्ट्स खो-खो एसोसिएशन भिवानी के प्रधान राजेश ढांडा ने ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि खेलो में भाग लेने शारीरिक विकास ही नहीं, बल्कि मानसिक विकास भी होता है। खिलाड़ी अनुशासन में रहकर अच्छा खिलाड़ी ही नहींख्बनता, बल्कि राष्ट्रभगत भी बनता है। इस प्रतियोगिता के संचालन में सभी जिलों के सचिवों ने विशेष भूमिका निभाई। प्रतियोगिता को सफल बनाने में सरपंच प्रतिनिधि रविंद्र कुमार, पूर्व सरपंच बारूराम सिहाग, ब्लॉक समिति बवानीखेड़ा के चेयरमैन सतीश गिल, पूर्व सरंच साधुराम, मुख्याध्यापक राजेश मंदरेणा, मार्केट कमेटी भिवानी के चेयरमैन कृष्ण लितहाड़ी, राजकुमार नेहरा, इंजीनियर नरेंद्र नेहरा, धर्मबीर, जगमेंद्र गिल, प्राथमिक मुख्याध्यापिका नीलम लोहानी, अंजू, मीना, मा. सत्यवान, मा. संदीप, हरिराम नंबरदार, मा. कुलदीप, मा. मदनलाल सहित समस्त बोहल, सिपर के ग्रामीण मौजूद रहे।

गरिमा ने लंबी कूद में जीता मेडल

बेहतरीन प्रदर्शन करने वाली प्रतिभागी को सम्मानित करते हुए।

बवानीखेड़ा। बवानी खेड़ा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव रतेरा के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में पढ़ने वाली 12वीं की छात्रा गरिमा ने 69वीं राष्ट्रीय स्कूली गेम प्रतियोगिता में लंबी कूद लगाकर सभी का ध्यान खींचने का कार्य किया। छात्रा ने प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त किया। छात्रा की उपलब्धि पर जिला शिक्षा अधिकारी निर्मल दहिया ने छात्रा खिलाड़ी गरिमा को सिल्वर मैडल देकर पुरस्कृत किया। जानकारी देते हुए खिलाड़ी छात्रा के पिता डीपीई देवेन्द्र अत्री, नॉडल अधिकारी कोच सत्यवान ने बताया कि भिवानी भीम स्टेडियम में 26 से 30 नवंबर को आयोजित हुई इस प्रतियोगिता में गरिमा ने इतिहास रचने का कार्य किया। उन्होंने बताया कि छात्रा खेलों में अव्वल स्थान प्राप्त करती है और अपना विशेष स्थान बनाती है ये बवानी खेड़ा की पहली छात्रा खिलाड़ी जिसने सिल्वर मैडल प्राप्त किया। खिलाड़ी के चाचा नपा चेयरमैन सुंदर अत्री ने भी खिलाड़ी का हौसला बढ़ाया और कहा कि उनकी भतीजी अपने पिता के नक्शेकदम पर चलकर इतिहास रचेगी और शहर, जिला व राज्य का नाम अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चमकाने का काम करेगी। वही ने इसका श्रेय परिजनों व गुरुजनों को दिया।

अधिकारी लंबित समस्याओं का करें निपटान : सीईओ

भिवानी। डीसी साहिल गुप्ता के मार्गदर्शन में सोमवार को लघु सचिवालय स्थित डीआरडीए हाल में सीईओ अजय चोपड़ा की अध्यक्षता में समाधान शिविर आयोजित हुआ। सीईओ ने समाधान शिविर में नागरिकों की शिकायतें सुनी। उन्होंने सभी विभागाध्यक्ष को निर्देश देते हुए कहा कि नागरिकों की लंबित समस्याओं का प्राथमिकता के साथ शीघ्र समाधान करें।

सीईओ अजय चोपड़ा के समक्ष सीएम विंडो एमिनेंट पर्सन नरेन्द्र ग्रेवाल ने नाथुवास से बामला रोड़ की खस्ता हालात को दुरूस्त करवाने, अजित पुर निवासी सुमेर ने अपने प्लाट की रजिस्ट्री करवाने, सेक्टर 13 निवासी नंद किशोर ने सुबह 4 बजे आने वाली पानी सप्लाई का समय बदलवाने, ढ़ाणा रोड निवासी दीपक ने गली नंबर आठ में पानी व सीवरेज व्यवस्था दुरूस्त करवाने, वार्ड नंबर दो के पार्षद संदीप ने सीटी सेंटर मार्केट की सफाई करवाने, बाथरूम बनवाने व सेक्टर 13 में गलियों में स्टीट लाइट लगवाने, आकाश ने ऑटो मार्केट से अवैध कब्जा हटवाने बारे समस्या रखी। इसके अलावा पीपीपी व पेंशन आदि से भी संबंधित समस्याए रखी गई। सीईओ ने सभी शिकायतों को गौर से सुना और मौके पर निपटान होने वाली समस्याओं का निपटारा कर शेष के निर्देश दिए। इस दौरान डीडीपीओ सोमबीर कादयान, डीईओ निर्मल दहिया, यातायात प्रबंधक भरत सिंह परमार, वीएस राजेश ग्रेवाल, एमई सुरेन्द्र सांगवान सहित अनेक विभागाध्यक्ष के अलावा गैर सरकारी सदस्य राम किशन हालुवासिया, सुनील नंबरदार, नरेन्द्र ग्रेवाल, केके शर्मा, रामगोपाल सैनी मौजूद रहे।

राजस्व विभाग में रिक्त पदों को लेकर किसानों का धरना शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बाढड़ा

उपमंडल मुख्यालय पर राजस्व विभाग के तहसीलदार का पद रिक्त होने से पिछले डेढ़ माह से कामकाज बाधित होने से परेशान भाकियू की अगुवाई में पदाधिकारियों ने तहसील परिसर में अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन आरंभ कर दिया। तहसील परिसर में भाकियू अध्यक्ष हरपाल सिंह भांडवा की अध्यक्षता में आयोजित बेमियादी रोष प्रदर्शन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन बाढड़ा उपमंडल के साथ हर मामले में सौतेला व्यवहार कर रहा है। पिछले चार माह से तहसीलदार का पद रिक्त होने से डीआरओ को अतिरिक्त कार्यभार देकर उनको परेशान किया जा रहा है। खाली पदों से राजस्व, भूमि संबधी केसों की सुनवाई तो दूर भूमि की रजिस्ट्री, किसान क्रेडिट कार्ड या अन्य प्रमाणपत्रों के लिए भी एक-एक सप्ताह तक इंतजार करना पड़ रहा है। सरकार बाढड़ा को उपमंडल बनाकर झूठी वाहवाही लूट रही है। इनके अलावा अधिवक्ता संघ अध्यक्ष एडवोकेट संजीव श्योराण, भाकियू महासचिव ओमप्रकाश उमरवास, अधिवक्ता अनिल मान, एडवोकेट अशोक श्योराण, नंबरदार एसोसिएशन अध्यक्ष राजबीर हंसावास, अतर सिंह बाढ़ड़ा, पूर्व सरपंच गिरधारी मोद, सतबीर बाढ़ड़ा, कमलसिंह हड़ौदी, आनंद वालिया, रामअवतार लाड व अजय आर्य आदि मौजूद रहे।

पूर्व प्रधान पवन शुक्ला को किया सम्मानित

नारनौल। श्री चौरासिया ब्राह्मण सभा जिला महेंद्रगढ़ की नवनियुक्त कार्यकारिणी का भव्य शपथ ग्रहण समारोह रविवार को कुलताजपुर रोड स्थित आशीर्वाद फॉर्म में संपन्न हुआ।

जानकारी देते हुए अखिल भारतवर्षीय श्री चौरासिया ब्राह्मण महासभा के कार्यकारी अध्यक्ष पवन शुक्ला ने बताया कि जिला महेंद्रगढ़ की नवनियुक्त कार्यकारिणी ने जिले के 17 गांवों के चौरासिया ब्राह्मण बंधुओं के समक्ष समाज के प्रति साक्षात्मक सोच के साथ समाज उत्थान में कार्य करने की शपथ ली। महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश शर्मा एडवोकेट एवं महासचिव प्रदीप शर्मा एडवोकेट ने कहा कि सदियों से कायम भाईचारे की परंपरा को बनाए रखना हम सब की जिम्मेदारी है।

बीके विद्यालय में मनाया गीता जयंती महोत्सव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

बीके वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में गीता जयंती महोत्सव को धूमधाम से मनाते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

बवानीखेड़ा के बीके वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में खंड स्तरीय अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव का धूमधाम से आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बवानी खेड़ा नगरपालिका चेयरमैन अध्यक्ष सुंदर अत्री ने शिरकत की। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि नगरपालिका सचिव संदीप गर्ग, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अलखपुरा के प्राचार्य सुरेश यादव, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय प्राचार्या संतोष भाकर पूर्व पार्षद गजेंद्र कौशिक, योगाचार्य गजानंद कौशिक उपस्थित रहे। गीता जयंती के इस पावन पर्व पर विद्यालय में स्कूल शिक्षा विभाग' द्वारा गीता लोकोच्चारण किया गया। इस गीता महोत्सव में कुल 4 विद्यालयों से लगभग 350 विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की, जिसमें कक्षा छठी से आठवीं तक के विद्यार्थी रहे। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय प्राचार्या संतोष भाकर ने बच्चों को बताया कि श्रीमद्भागवत गीता हिंदुओं की पवित्र पुस्तक है। इस अवसर पर विद्यालय प्राचार्य पंकज कुमार मिश्रा ने बताया कि विद्यार्थियों के लिए गीता का अत्यधिक महत्व है। इस अवसर पर प्रबंधन समिति के सचिव योगेश शर्मा, सदस्य सुरेश जांगड़ा, प्रसिद्ध समाजसेवी सुभाष शर्मा, वरिष्ठ विभाग संचालक योगेंद्र सिंह, कनिष्ठ विभाग संचालिका मंजू मलिक, गीता, सिंपी, मिनाक्षी, मनीष शंकर, मीनू वालिया, सोनू, अमित कुमार, कृष्ण कुमार, राहुल सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

संविधान सभा में उठा पर्यावरण संरक्षण का मुद्दा, बढ़ते एक्यूआई पर हुई बहस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

दिल्ली के नेहरू भवन में सीओएचएएस द्वारा आयोजित भव्य संविधान महोत्सव में इस बार हरियाणा के भिवानी जिले ने अपनी विशेष छाप छोड़ी। कार्यक्रम के सबसे महत्वपूर्ण सत्र संविधान सभा का पुनर्जीवन में देशभर से आए युवा प्रतिनिधियों ने स्वयं को संविधान सभा का सदस्य मानते हुए राष्ट्र निर्माण से जुड़ी प्रमुख नीतियों पर चर्चा, बहस और नीति-निर्माण की प्रक्रिया में भाग लिया। हरियाणा की ओर से जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण संरक्षण पर देशव्यापी कार्य कर रही संस्था स्टैंड विद नेचर के युवा प्रतिनिधियों ने प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज करवाई। इस दल का नेतृत्व भारत की राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित प्रसिद्ध आर्टिस्ट सुलेखा कटारिया ढाबढाणी ने किया।

उनके साथ आकाश लाड़वाल गुजरानी, वसुंधरा वर्मा, अदिति तथा आर्य स्कूल ढिगावा की छात्रा आशा व अनामिका भी शामिल रहीं। स्कूल के डीपीई राजपाल के नेतृत्व में दल दिल्ली पहुंचा।

कार्यक्रम के दौरान स्टैंड विद नेचर के प्रतिनिधियों ने जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण न्याय, सतत विकास, ग्रामीण पारिस्थितिकी, युवा सहभागिता और संवैधानिक कर्तव्यों जैसे विषयों पर नई नीतियों का मसौदा तैयार कर संविधान सभा के समक्ष प्रस्तुत किया। पर्यावरण संरक्षण को शासन की प्राथमिकताओं में शामिल करने तथा युवाओं को नीति-निर्माण की प्रक्रिया में सक्रिय रूप से जोड़ने को लेकर कई प्रभावी सुझाव दिए। इस बहस में भिवानी के युवाओं की समझ, संवेदनशीलता और तर्क क्षमता की विशेष सराहना की गई। आर्य स्कूल ढिगावा के प्राचार्य राजबीर दहिया ने विद्यार्थियों को इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय मंच पर पहुंचने के लिए बधाई देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन छात्रों में नेतृत्व, संवैधानिक समझ और राष्ट्र निर्माण की भावना को मजबूत करते हैं।

स्टैंड विद नेचर के अध्यक्ष डॉ. लोकेश भिवानी ने कहा कि संस्था का उद्देश्य युवाओं को केवल पर्यावरण कार्यकर्ता बनाना ही नहीं, बल्कि उन्हें जिम्मेदार नागरिक के रूप में नीतिगत विचार-विमर्श में सक्षम बनाना भी है। दिल्ली में आयोजित यह अनुभव युवाओं के आत्मविश्वास और दृष्टिकोण को नई ऊंचाइयां देगा।

दहेज के बिना शादी कर मिसाल पेश की

नारनौल। भौतिकतावादी संसार में आज शिक्षित समाज के दो एसिस्टेंट प्रोफेसर ने दहेज रहित शादी करके सबके लिए एक खूबसूरत मिसाल पेश की है। गांव कारोता निवासी हाल आबाद मालवीय नगर पूर्णमल नूनीवाल के बेटे डॉ. अजय गुरुग्राम निवासी सुभाष चंद्र भुक्कल की पुत्री डॉ. शिखा के साथ परिणय बंधन में बंध गए हैं। डॉ. अजय के पिता पूर्णमल नूनीवाल (एलआईसी वाले) ने लड़की पक्ष से किसी भी प्रकार की कोई धनराशि, आभूषण, कपड़े आदि नहीं लिए, जिसकी उपस्थित समाज के लोगों ने इस कार्य की भूरि-भूरि प्रशंसा की। इस अवसर पर हरियाणा अनुसूचित जाति/जनजाति कर्मचारी कल्याण संघ के प्रधान राजपाल गोरा, संघ के पूर्व प्रधान जयनारायण दुग्गल, मानसिंह नूनीवाल, महाशय लाजपत सिरोहा, रामसिंह दुग्गल, कंवर सिंह नेताजी, रामानंद, जिलेसिंह एवं रामकुमार उपस्थित रहे।

न्यूनतम वेतन 26 हजार रुपये देने और लेबर कोड्स रद्द करने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बाढ़ड़ा

गोपी के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में खंड की आशा कार्यकर्ताओं की अहम बैठक आयोजित की गई, जिसमें आगामी तीन दिवसीय विरोध प्रदर्शन के लिए रूपरेखा तैयार की। गोपी सीएचसी कार्यालय में आशा कार्यकर्ताओं की बैठक जिसकी अध्यक्षता खंड प्रधान दयावती जगरामबास ने की तथा 8 दिसंबर को होने वाले आशा वर्कर के महापड़ाव कि तैयारियां को लेकर जिम्मेवारी तय की। बैठक को संबोधित करते हुए सीटू जिला सहसंयोजक सुमेर सिंह धारणी ने कहा कि 6, 7 व 8 दिसंबर को भिवानी में होने वाले महापड़ाव के लिए अलग-अलग दिनों को जत्थों को भेजने का फैसला लिया। 6 दिसंबर को आंगनवाड़ी वर्कर, 7 दिसंबर को मिड डे मील व 8 दिसंबर को आशा वर्कर बढ़ चढ़कर भाग लेंगे।

इसके अलावा 6,7,8, दिसंबर को केंद्रीय मंत्री व सांसद आवास पर पड़ाव डालेगी। न्यूनतम वेतन 26 हजार रुपये की मांग को लेकर, लेबर कोड्स रद करवाने आदि मांगो को लेकर सभी जिलों में प्रदर्शनों में आशा वर्कर भी परिवार सहित विरोध प्रदर्शन करेंगी। स्कीम वर्कर्स की राष्ट्रीय फेडरेशनों के आह्वान पर होने वाले तीन दिवसीय पड़ाव में 6 दिसंबर को आंगनवाड़ी वर्कर्स, हेल्पर्स, 7 दिसंबर को मिड डे मील वर्कर्स व 8 दिसंबर को हजारों की सं या आशा कर्मी में हिस्सेदारी होगी। उन्होंने कहा कि लागू किए गए इन श्रमिक-विरोधी और पूंजीपति-परस्त लेबर कोड्स की एकतरफा और मनमानी घोषणा की कड़े शब्दों में निंदा करता है। हम इसे देश के मेहनतकशों के साथ किया गया केंद्र सरकार का धोखाधड़ीपूर्ण कदम करार देते इसके विरोध को में लेबर कोड्स को लेकर भारी रोष है। बैठक में आशा कार्यकर्ता प्रेम देवी, बाला रानी, सुमन, सुनीता, सुशिला, पुष्पा, रेनु, कान्ता, कमलेश, कलावती, ललिता मंजु देवी आदि मौजूद रही।

युवाओं को उच्च शिक्षा के लिए संसाधन उपलब्ध करवाएं : ग्रेवाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

गांव बामला में आयोजित ग्रेवाल सम्मेलन में मौजूद मौजिज लोग।

गांव बामला में 3 एनुअल ग्लोबल ग्रेवाल मीट द्वारा ग्रेवाल सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें ग्लोबल प्रेजिडेंट डीएस ग्रेवाल मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे। सम्मेलन में पांच राज्यों व विदेशों से ग्रेवाल के अधिकारी, बुद्धिजीवी वर्ग के लोगों ने भाग लिया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए मेजर जनरल रणजीत सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में शिक्षा सबसे बड़ा महत्वपूर्ण मुद्दा है। हमें अपने बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित करना चाहिए तथा इसके लिए सामूहिक प्रयास करने चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षा एक ऐसा आभूषण है,जिसको कोई छीन नहीं सकता। उन्होंने कहा कि वर्तमान प्रतिस्पर्धा के इस युग में युवाओं के सामने कैरियर के रूप में अनेक विकल्प हैं। उन्होंने उपस्थित लोगों से आह्वान किया कि समाज के युवाओं को उच्च शिक्षा के लिए संसाधन उपलब्ध करवाएं ताकि वे आगे चलकर राष्ट्र के निर्माण में अपना अहम योगदान दे सकें। इस अवसर पर आईएएस निशा ग्रेवाल ने कहा कि हमारी चार बड़ी शक्तियां है। जिसमें मेहनत, ईमानदारी , शिक्षा व समाज के प्रति जिम्मेदारी शामिल हैं। इन्हीं चीजों को लेकर हम आगे बढ़ सकते हैं। इस अवसर पर प्रधान जंगवीर सिंह ग्रेवाल ने आए हुए अतिथियों का आभार जताया तथा उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस सम्मेलन में युवाओं को उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित करने तथा नशाखोरी के खिलाफ अभियान चलाने का प्रस्ताव पास किया गया। इस अवसर पर उपप्रधान मनोज कुमार ग्रेवाल , मेजर जनरल रंजीत सिंह, मेजर जनरल एस.एस.ग्रेवाल, ब्रिगेडियर रणधीर सिंह, कर्नल महासिंह, आईएएस निशा ग्रेवाल, अत्तर सिंह सीए, ग्रामीण कमेटी प्रधान सुंदर सिंह गे्रवाल, जोगेंद्र, पूर्व सरपंच पवन कुमार, राजपाल, सुकरमपाल, जिले सिंह, जिला पार्षद रूपेंद्र ग्रेवाल, सरपंच अभिषेक, नरेश, जोगेंद्र, जयदीप,प्रदीप सैक्ट्री, खेमचंद, सुरेंद्र फौजी, दयानंद कोच, जोगीराम पंडित, डा.मनफूल व रविंद्र मौजूद रहे।

चुनाव प्रोग्राम प्रबंधक कमेटी दि सिवानी बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि सहकारी समिति लि0 सिवानी चुनाव तिथि : 09.01.2026

क्र.स.	विवरण	तिथि व समय	स्थान
1.	उप नियम 35 के उप पैरा 2 के अधीन यथाअपेक्षित मतदाताओं की सूची का प्रदर्शन	दिनांक 03.12.2025 से 06.12.2025 तक	1. कार्यालय निरीक्षक सहकारी समितियां सिवानी 1 2. कार्यालय सहायक रजिस्ट्रार सहकारी समितियां भिवानी 3. कार्यालय दी सिवानी एम. पैक्स लि0 सिवानी व समिति के बिक्री केन्द्र 4. उप रजिस्टार सहकारी समितियां भिवानी
2.	पैरा 35 के उप पैरा 4 के अधीन यथाअपेक्षित मतदाताओं की सूची से संबंधित आक्षेपों की सुनवाई	दिनांक 10.12.2025 प्रातः 10.00 बजे से दोपहर 1.00 बजे तक	कार्यालय सहायक रजिस्ट्रार सहकारी समितियां भिवानी स्थित लघु सचिवालय प्रथम मंजिल भिवानी।
3.	नामांकन पत्र दायर करना	दिनांक 17.12.2025 10:00 बजे से सांय 02:00 बजे तक	.....उपरोक्त.....
4.	नामांकन पत्रो की समीक्षा	दिनांक 19.12.2025 प्रातः 10:00 बजे	.....उपरोक्त.....
5.	वैध नामांकन पत्रों की सूचि का प्रदर्शन	दिनांक 19.12.2025 दोपहर 2:00 बजे	.....उपरोक्त.....
6.	नामाकन पत्र वापिस लेना	दिनांक 29.12.2025 सांय 2:00 बजे तक	.....उपरोक्त.....
7.	उम्मीदवारों को चुनाव चिन्हों का आवंटन और विधिमान्य नामित रूप से नामनिर्दिष्ट उम्मीदवारों की सूची का प्रदर्शन	दिनांक 29.12.2025 सांय 3:00 बजे से सांय 05:00 बजे तक	.....उपरोक्त.....
8.	मतदान कराना यदि आवश्यक हो तो	दिनांक 09.01.2026 प्रात 8:00 बजे से सांय 4:00 बजे तक	निम्नलिखित स्थान पर होगा चुनाव .....

क्र.स.	मतदान केन्द्र	पोलिंग स्थान	गांव जिनके मतदान होने है	मतदाता सूचि की क्रम संख्या	कुल मत
1.	बूथ नं0 1 सिवानी	कार्यालय दी सिवानी एम-पैक्स लि0 सिवानी	सिवानी, रूपाणा	01 से 988 तक	988
2.	बूथ नं0 2 नलोई	कार्यालय दी सिवानी एम-पैक्स लि0 सिवानी का बिक्री केन्द्र नलोई	नलोई, ढाणी किशनलाल, ढाणी रामजस, ढाणी मिठी, किकराल, देवसर	989 से 1816	828
3.	बूथ नं0 3 गुरेरा	कार्यालय दी सिवानी एम-पैक्स लि0 सिवानी का बिक्री केन्द्र गुरेरा	गुरेरा	1817 से 2627	811
4.	बूथ नं0 4 बडवा	कार्यालय दी सिवानी एम-पैक्स लि0 सिवानी का बिक्री केन्द्र बडवा	बडवा	2628 से 3619	992
5.	बूथ नं0 5 खेड़ा	कार्यालय दी सिवानी एम-पैक्स लि0 सिवानी का बिक्री केन्द्र खेड़ा	खेड़ा, धुलकोट, ढाणी रोहनात, ढाणी धीरजा, ढाणी बलहारा	3620 से 4203	584

नोटः (1) दस सदस्य प्रबंध कमेटी में चुने जाने हैं जिनमें से 7 कृषक सदस्य व 3 अकृषक सदस्य होंगे।
(2) एक पद अनूसुचित वर्ग के लिए आरक्षित, दो पद महिलाओं के लिए आरक्षित व एक पद बी.सी. वर्ग के लिए आरक्षित रहेगा।
(3) मतदान के समय सभी मतदाता अपना फोटोयुक्त पहचान पत्र साथ लावें।

(कृष्ण चन्द्र)
(चुनाव अधिकारी) सहायक रजिस्ट्रार,
सहकारी समितियां भिवानी

श्रीमद्भागवत गीता में सभी समस्याओं का समाधान : सरफि

गीता महोत्सव सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और पारंपरिक रंगों से रहा सराबोर

श्रीमद्भगवद गीता मानव जीवन को हर परिस्थिति में सही दिशा प्रदान करने वाला ग्रंथ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

भिवानी के विधायक घनश्याम सर्राफ ने कहा कि श्रीमद्भगवद्गीता मानव जीवन को हर परिस्थिति में सही दिशा प्रदान करने वाला ग्रंथ है। उन्होंने कहा कि गीता महोत्सव कार्यक्रम युवा पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों और गौरवशाली ज्ञान परंपरा से जोड़ते हैं। उन्होंने कहा कि गीता हमारे जीवन का आधार है, अगर आस्था से हम इसे आत्मसात करें तो सभी समस्याओं का समाधान हो सकता है। विधायक सर्राफ सोमवार को किरोड़ीमल पार्क में आयोजित तीन दिवसीय गीता महोत्सव कार्यक्रम के समापन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। इस मौके पर विवेकानन्द हाई स्कूल की छात्राओं आरोही, अनिका, तान्या एवं यश ने श्लोकोच्चारण किया। संजय दुआ और औमप्रकाश दुरेजा ने अपनी प्रस्तुतियां दी। मंच का संचालन सुमन बुंदेला ने निभाया। इस अवसर पर आरएसएस से सत्यनारायण मित्तल, मीनू अग्रवाल, डीडीए डॉ. विनोद फौगाट, जिला सूचना एवं जनसपंर्क अधिकारी सुरेंद्र सिंगल, डॉ. नसीब धनखड़, डॉ अनिल गौड़, डॉ मुरलीधर शास्त्री , सीमा शर्मा, रजनी, प्राचार्य रविन्द्र वेद, ओपी नंदवानी, नरेश आहूजा, हरदीप डूडेजा, विनोद छाबड़ा , चंद्र कक्कड़, समाजसेवी सचिन जैन, विहिप के जिला प्रधान प्रदीप बंसल आदि मौजूद रहे।

जीवन जीने की कला सिखाती है गीता : विधायक

चरखी दादरी । गीता महोत्सव के अंतिम दिन गीता पाठ के कार्यक्रम में विधायक उमेद पातुवास शामिल हुए। उन्होंने गीता आरती के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया और प्रतिभागी बच्चों को उपहार भेंट किए। उमेद पातुवास ने कहा कि श्रीमद भागवत गीता मात्र एक धार्मिक ग्रंथ नहीं है, बल्कि यह जीवन जीने की कला सिखाने वाला एक सार्वभौमिक दर्शन है। इसे भगवान का गीत कहा जाता है, जिसमें कर्म, ज्ञान और भक्ति के मार्ग का सुंदर समन्वय है। यह हमें सिखाती है कि जीवन के हर संकट और दुविधा में हमें धर्म कर्तव्य के मार्ग पर कैसे अडिग रहना है। गीता हमें शरीर और आत्मा के अंतर को समझाती है। यह ज्ञान देती है कि आत्मा अजर, अमर और अविनाशी है। यह हमें भय और मोह से मुक्त होने की प्रेरणा देती है। गीता सिखाती है कि सभी कार्यों को परम सत्ता ईश्वर को समर्पित करना ही भक्ति है।

चिकित्सकों व मरीजों ने किया गीता पाठ

भिवानी । स्वामी ज्ञानानंद के आह्वान पर जीओ गीता स्वास्थ्य सेवा प्रकल्प दिनोद गेट स्थित अंचल अस्पताल में तीन श्लोक का एक साथ गीता पाठ किया। इस अवसर पर अस्पताल में मरीजों, उनके परिजनों, चिकित्सकों, चतुर्थ कर्मचारियों ने डॉ. विनोद अंचल, डॉ. अनीता अंचल, डॉ. कृष्ण व विवेकानंद हाई स्कूल के गीता श्लोक पाठक विद्यार्थियों के साथ अष्टादश गीता श्लोक उच्चारण किया। इस अवसर पर डॉ. विनोद अंचल ने कहा कि गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज के मार्गदर्शन में देश और दुनिया में एक साथ गीता पाठ किए जा रहे हैं, जो देश के लिए बड़े गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि स्वामीजी के मार्गदर्शन में गीता का संदेश जन-जन तक पहुंच रहा है। इस अवसर पर डॉक्टर कृष्ण, राष्ट्रपति अवॉर्डी अशोक कुमार भारद्वाज, सामाजिक कार्यकर्ता सतीश यादव आदि उपस्थित रहे।

गीता महोत्सव में निकाली प्रेरणा परिक्रमा

भिवानी। अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव के उपलक्ष्य में छोटी काशी के नाम से विख्यात भिवानी नगरी पूरी तरह से आध्यात्म के रंग में रंगी नजर आ रही है। यहां युवा जागृति एवं जनकल्याण मिशन ट्रस्ट के तत्वावधान में 21 दिवसीय भव्य आध्यात्मिक अनुष्ठान का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में हनुमान ढ़ाणी स्थित हनुमान जोहड़ी मंदिर से एक विशाल गीता प्रेरणा परिक्रमा निकाली गई, जिसमें श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। इस 21 दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद के सान्निध्य और मार्गदर्शन में किया जा रहा है। वहीं कार्यक्रम का नेतृत्व बालयोगी महंत चरणदास महाराज कर रहे हैं। कार्यक्रम की श्रृंखला को आगे बढ़ाते हुए हनुमान जोहड़ी मंदिर प्रांगण से गीता प्रेरणा परिक्रमा का शुभारंभ हुआ। बालयोगी महंत चरणदास महाराज के नेतृत्व में निकली इस परिक्रमा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

खबर संक्षेप

पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में साक्षी प्रथम

भिवानी। चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय के माइक्रोबायोलॉजी विभाग द्वारा सिविल अस्पताल भिवानी एवं प्रोत्साहन सोशल वेलफेयर सोसाइटी और यूनिवर्सिटी हेल्थ केयर सेंटर के सहयोग से एड्स दिवस जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर दीप्ति धर्माणी ने की। विभाग ने एक पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया, जिसमें साक्षी ने प्रथम, नैन्सी ने द्वितीय, बीएड कॉलेज की उमा व रेणु ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं पोस्टर आकर्षक और एड्स से बचाव का संदेश दे रहे थे। प्रोफेसर ललिता गुप्ता ने एड्स जागरूकता कार्यक्रमों, संकेतों और भाषाओं के बारे में अपने विदेशी अनुभव सांझा किए। सिविल अस्पताल की डॉ. पुनीता ने छात्रों को इस वायरस के बारे में बताया। डॉ. अरुण जांगड़ा ने छात्रों की काउंसलिंग की। कार्यक्रम का समापन एड्स जागरूकता रैली के साथ हुआ। कार्यक्रम में माइक्रोबायोलॉजी, वनस्पति विज्ञान, मनोविज्ञान और राजीव गांधी कॉलेज, यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन के छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में लाइफ साइंस के सभी संकाय मौजूद थे।

विश्व एड्स दिवस पर आयोजित हुआ सेमिनार

भिवानी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के चेयरमैन तथा जिला एवं सत्र न्यायाधीश डीआर चालिया के निर्देशानुसार प्राधिकरण के सीजेएम-कम-सचिव पवन कुमार की अध्यक्षता में एडीआर सेंटर के सभागार में विश्व एड्स दिवस पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसमें स्वास्थ्य विभाग से डा. अरुण जांगड़ा, डीएलएसए, पीएलए और एलएडीसी का स्टाफ, पैनल अधिवक्ता सहित पैरा लीगल वॉलिंटियर्स ने भाग लिया।

विश्व एड्स दिवस पर नोडल ऑफिसर डॉक्टर रश्मि अरोड़ा के मार्गदर्शन पर डॉक्टर अरुण जांगड़ा ने विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि एड्स से बचाव के लिए संकोच छोड़कर समय पर जांच व उपचार से वायरस लोड कम किया जा सकता है। एक बार इलाज शुरू हो जाने के बाद, डरने जैसी कोई बात नहीं होती है। ऐसे मरीजों की केयर की आवश्यकता है। नियमित दवा के सेवन से मरीज सामान्य जैसा हो जाता है। भारत को पूर्णतः एड्स मुक्त होने में अभी काफी समय लगेगा क्योंकि अभी भी देश में 15 से 49 वर्ष की उम्र के बीच के लाखों लोग एड्स से प्रभावित हैं। एड्स रोगी के साथ किसी भी प्रकार के भेदभाव पर कानूनी कार्यवाही व सजा प्रावधान है।

एड्स के खिलाफ मिशन के तहत कार्य करें : गोयल

भिवानी। विश्व एड्स दिवस के अवसर पर वैश्य महाविद्यालय भिवानी की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाइयों एवं रेड रिबन क्लब के संयुक्त तत्वावधान में /"एचआईवी एवं एड्स रोकथाम से लेकर उपचार तक की वैज्ञानिक प्रगति/" विषय पर विस्तृत व्याख्यान का आयोजन वैश्य महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ संजय गोयल के नेतृत्व एवं महाविद्यालय के रेड रिबन क्लब की संयोजक एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई 1 की कार्यक्रम अधिकारी डॉ कामना कौशिक एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई 2 के कार्यक्रम अधिकारी डॉ मोहनलाल के दिशा निर्देशन में किया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से वैश्य महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ संजय गोयल, डीन एकेडमिक डॉ नरेंद्र सिंह, डॉ सरिता गोयल,डॉ अनिल शर्मा,डॉ कामना कौशिक एवं डॉ मोहनलाल ने स्वयंसेवकों को एड्स से रोकथाम एवं इस बीमारी के प्रति लोगों को जागरूक करने की शपथ दिलवाई। स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए प्राचार्य डॉ संजय गोयल ने कहा कि आज का युवा देश के विकास की अहम कड़ी है। युवा वर्ग को चाहिए कि वो विभिन्न व्यसनों से दूर रहकर वैश्विक बीमारियों से बचकर आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि एचआईवी एवं एड्स की भ्रांतियों को दूर करने के लिए हम सबको जागरुकता के साथ एकजुट होकर एक मिशन के तहत कार्य करना होगा तभी युवा पीढ़ी के भविष्य को सुरक्षित रखा जा सकता है।

महिलाएं पशुपालन के आधुनिक तरीके अपनाएं

लोहारू। एसएसजे फाउंडेशन के संस्थापक एवं वीएलडीए अनिल जोशी ने कहा कि गांव देश की रीढ़ कहलाते हैं, ग्रामीण इलाकों में पशुपालन व खेती आत्मनिर्भरता का मुख्य साधन है, ऐसे में गांव की महिलाएं पशुपालन के आधुनिक तरीके अपनाकर स्वयं के साथ देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बना सकती हैं। वे रविवार को गांव फरटिया ताल में फाउंडेशन के चाय चौपाल कार्यक्रम के तहत महिलाओं और युवाओं के साथ बातचीत कर रहे थे। जोशी ने बताया कि पशुपालन केवल दूध उत्पादन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह रोजगार, पोषण, और अतिरिक्त आय का स्थायी साधन है। उन्होंने इस दौरान पशुपालकों को मिश्रण निःशुल्क वितरित किया। उन्होंने बताया कि ग्रामीण महिलाओं के पास समय और लगन दोनों होते हैं। यदि उन्हें सही प्रशिक्षण और सहयोग मिले तो वे पशुपालन के माध्यम से अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को सुधार सकती हैं। स्वयं सहायता समूह के माध्यम से दूध उत्पादन, दही-पनीर निर्माण और डेयरी व्यवसाय में महिलाएं बड़ी सफलता हासिल कर सकती हैं। ग्रामीण युवा यदि पशुपालन को वैज्ञानिक तरीके से अपनाएं, तो उन्हें शहरों में रोजगार ढूंढने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। पशुओं के टीकाकरण, सही पोषण और स्वास्थ्य देखभाल की जानकारी से उनका उत्पादन बढ़ाया जा सकता है। इससे गांव में ही स्वरोजगार और उद्यमिता को बढ़ावा मिलेगा। पशुपालन केवल एक व्यवसाय नहीं बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। इस मौके पर अनेक महिलाएं और युवा मौजूद थे।

मॉडल संस्कृति स्कूल में गीता श्लोक उच्चारण में 700 बच्चों ने लिया भाग

■ गीता में निहित है सभी धर्मों का सार : बीईओ विजय

हरिभूमि न्यूज ▶▶ लोहारू

खंड शिक्षा अधिकारी विजय प्रभा ने कहा कि गीता में सभी धर्मों का सार निहित है तथा सभी लोगों को गीता का अध्ययन जरूर करना चाहिए। वे राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में गीता जयंती पर आयोजित कार्यक्रम को बतौर मुख्यतिथि संबोधित कर रही थी। प्राचार्य पूनम श्योराण की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया और गीतों के श्लोकों पर संगीत प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यतिथि बीईओ विजय प्रभा ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष द्वीप प्रज्ज्वलित करके किया। कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों के 700 से अधिक विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया और एक साथ पंक्तिबद्ध होकर गीता के श्लोकों का उच्चारण किया।

ठुकराल पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा कृष्ण-अर्जुन संवाद पर आधारित मनमोहक प्रस्तुति ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। कला अध्यापक महेश कुमार एवं श्याम सुंदर द्वारा विद्यार्थियों के सहयोग से बनाई गई पुष्प रंगोली आकर्षण का केंद्र रही।

गीता ज्ञान जरूरी

बीईओ विजय प्रभा ने कहा कि गीता का ज्ञान प्रत्येक मनुष्य के लिए आवश्यक है। भागदौड़ भरी जिंदगी में गीता का अध्ययन मन को शांति और सन्मार्ग प्रदान करता है। विद्यार्थी जीवन में गीता का महत्व सबसे अधिक है। प्राचार्य पूनम श्योराण ने कहा कि गीता में कर्म को सर्वोपरि बताया गया है। इस मौके पर सुरेश शर्मा, राजीव आर्य, ईश्वर सिंह, नीलम रानी, नीरज शर्मा, अनिल सैनी, अन्नू देवी, कमल शर्मा, रितु रानी, अनिल कटारिया, सुशीला रानी, जगबीर दहिया, बबीता रानी, कुलदीप शर्मा सहित विभिन्न विद्यालयों के अध्यापक उपस्थित रहे।

निष्पक्ष रूप से हो रहा विकास : सांगवान

चरखी दादरी। विधायक सुनील सांगवान ने सोमवार को अपने कैंप कार्यालय में लोगों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने मौके पर ही समस्याओं का निवारण कराया और कुछ जन समस्याओं बारे संबंधित विभाग के अधिकारियों को समाधान कराने के निर्देश दिए। कहा कि निष्पक्ष रूप से दादरी के विकास को आगे बढ़ाया जा रहा है। विधायक सुनील सांगवान ने क्षेत्र के गावों से आए लोगों से भी सीधा संवाद करते हुए कहा कि भाजपा सरकार बिना किसी भेदभाव के साथ निष्पक्षतापूर्वक कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि जनमानस से जुड़ी समस्याओं का समाधान करते हुए विकासात्मक कार्यों में वे पूरी तरह से सजग है और दादरी हलके को विकासात्मक रूप से गति दे रहे है।

विद्यार्थियों ने दिया विश्व शांति और संस्कारों का संदेश

■ गीता जयंती पर "एक मिनट एक साथ गीता पाठ" का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

कोंट रोड मिनी बाईपास काली माता मंदिर रोड स्थित दक्षिण काली नवदुर्गा मंदिर में गीता जयंती के उपलक्ष में वैश्विक अभियान "एक मिनट एक साथ गीता पाठ" का आयोजन भव्य रूप से किया गया। इस अवसर पर विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने एक साथ गीता के प्रमुख श्लोकों का पाठ कर भारतीय संस्कृति, संस्कार और विश्व शांति का संदेश दिया। यह कार्यक्रम नवदुर्गा सेवा सहयोग संस्था के तत्वावधान में आयोजित किया गया। संस्था सदस्यों ने विद्यार्थियों को गीता के उपदेश, कर्मयोग, कर्तव्यनिष्ठा और सकारात्मक जीवन दर्शन से अवगत कराया।

मंदिर प्रबंधक उर्मिला सैनी व पुजारी शुभम ने कहा गीता केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं बल्कि जीवन का सर्वोत्तम मार्गदर्शन है। बच्चों को गीता से जोड़ना हमारे समाज की आवश्यकता है, क्योंकि गीता उन्हें अनुशासन, सत्य, धैर्य और कर्तव्य का महत्व सिखाती है। दक्षिण काली नवदुर्गा मंदिर आगे भी ऐसे सांस्कृतिक और आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा। गीता जयंती पर विद्यार्थियों द्वारा किया गया सामूहिक गीता पाठ अत्यंत शुभ और प्रेरणादायक है।

भिवानी। कार्यक्रम में उपस्थित बच्चे व शिक्षक।

जीण विद्या मंदिर में बच्चों को भेंट की गीता

भिवानी। राम गंज मोहल्ला स्थित जीण विद्या मंदिर हाई स्कूल में सोमवार को गीता जयंती के अवसर पर एक भव्य आध्यात्मिक व शिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को श्रीमद्भगवद् गीता भेंट की गई तथा गीता के उपदेशों को अपने जीवन में उतारने का आह्वान किया गया। इस समारोह का मुख्य उद्देश्य आधुनिक शिक्षा ग्रहण कर रहे विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति की जड़ों से जोडना और उनमें नैतिक व आध्यात्मिक मूल्यों का संचार करना था। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के सभी छात्रों को श्रीमद्भगवद् गीता की प्रतियां भेंट की गईं ताकि वे इसके ज्ञान को अपने जीवन में उतार सकें। विद्यालय के फाउंडर डायरेक्टर एवं भाजपा राष्ट्रीय परिषद के सदस्य शंकर धूपड़ ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। भाजपा नेता हर्षवर्धन मान ने छात्रों के साथ सीधा संवाद स्थापित किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य अमित धूपड़ ने गीता के ज्ञान को व्यावहारिक जीवन में उतारने के तरीकों पर चर्चा की।

डॉ. राजेंद्र निर्विरोध चुने गए हरियाणा कॉलेज टीचर्स एसोसिएशन के प्रधान

■ महाविद्यालय परिवार ने डॉ. परमार को किया सम्मानित, मनाई खुशी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

वैश्य महाविद्यालय के हिंदी विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. राजेंद्र परमार को हरियाणा कॉलेज टीचर्स एसोसिएशन का राज्य प्रधान चुने जाने पर महाविद्यालय प्रबंधन एवं महाविद्यालय परिवार ने खुशी जताते हुए उनका सम्मान समारोह महाविद्यालय प्रांगण में आयोजित किया। सम्मान समारोह में प्राचार्य डॉ. संजय गोयल, ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ यूनिवर्सिटीज एंड कॉलेज टीचर्स आर्गेनाइजेशन के वाइस प्रेसिडेंट डॉ. नरेंद्र चाहर ने शिरकत की। प्राचार्य डॉ. संजय गोयल ने नवनिर्वाचित राज्य प्रधान डॉ. राजेंद्र परमार को बधाई देते हुए कहा कि वे अपने कुशल नेतृत्व में कर्मचारी हित की रक्षा के लिए कार्य करेंगे।

9 दिसंबर को जंतर मंतर पर धरना देंगे

डॉ. नरेंद्र चाहर ने डॉ राजेंद्र परमार को बधाई देते हुए कहा कि हमारी एसोसिएशन अपनी विभिन्न लंबित मांगों को लेकर प्रयासरत है, उसी कड़ी में आल इंडिया फेडरेशन ऑफ यूनिवर्सिटीज एंड कॉलेज टीचर्स आर्गेनाइजेशन के संयुक्त तत्वावधान में 9 दिसंबर को जंतर मंतर पर धरना देंगे। हरियाणा कॉलेज टीचर्स एसोसिएशन के निर्विरोध निर्वाचित राज्य प्रधान डॉ. राजेंद्र परमार ने समारोह आयोजकों का धन्यवाद प्रकट करते हुए कहा कि एसोसिएशन के सभी सम्मानित सदस्यों और पदाधिकारियों ने उनको जो अहम जिम्मेवारी दी है, उनका निर्वहन करते हुए वह मुख्यमंत्री से मांग करेंगे कि प्रदेश के एडिड कॉलेज के टीचिंग और नॉन-टीचिंग कर्मचारियों की सभी मांगों को ति शीघ्र पूरा करवाने का प्रयास करें। डॉ. राजेंद्र परमार को हरियाणा कॉलेज टीचर्स एसोसिएशन का राज्य प्रधान चुने जाने पर फूलमालाएं पहनाकर सम्मानित किया।

शिविर में 88 शिकायतों में से 85 का निपटान

तोशाम। एसडीएम रवि मीणा ने कहा कि जनसमस्याओं के समाधान के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा त्वरित करवाई का केंद्र समाधान शिविर बन गए हैं। उपमंडल में समाधान शिविर में आई 88 शिकायतों में से 85 का निपटान संबंधित विभागों द्वारा कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि जिला व उपमंडल स्तरीय समाधान शिविर का उद्देश्य आम जनता की शिकायतों और समस्याओं का त्वरित समाधान करना है, ताकि सरकारी सेवाएं अधिक सुगम बन सकें। शिविर सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं जैसे राशन कार्ड, पेंशन, आवास योजना का लाभ दिलाने में भी मदद करते हैं। खासकर उन लोगों को जिन्हें इनका लाभ नहीं मिला हैं।

महिला महाविद्यालय में ब्लूमिंग ट्रेनिंग कार्यशाला

भिवानी । राजीव गांधी राजकीय महिला महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. त्रिलोकचंद की अध्यक्षता में महिला प्रकोष्ठ के तत्वावधान में प्रभारी प्रोफेसर मोनिका के कुशल नेतृत्व में त्रि दिवसीय ब्लूमिंग कार्यशाला का आयोजन हुआ, जिसमें प्रशिक्षका के रूप में खूबसूरत मैकओवर से रजनी ने शिरकत की और छात्राओं को भिन्न-भिन्न अवसरों पर पोशाक सज्जा, केश-सज्जा व चेहरे पर सामान्य व विशेष मेक-अप संबंधी जानकारी विस्तार से प्रयोगात्मक रूप से समझाई। प्राचार्य ने छात्राओं, आयोजक प्रकोष्ठ व सदस्यों को बधाई देते हुए कहा कि सुंदरता हमेशा से सबका ध्यान आकर्षित करती है। प्रथम दर्शन मानव को बरबस ही प्रभावित कर देता है, इसलिए मानव को बाहरी सौंदर्य को शालीनता व शिष्टता के साथ पद, स्थान व अवसर के अनुकूलता के अनुरूप तैयार करना चाहिए। स्थायी सौंदर्य भावों में बसता है जो मन, वचन और कर्म से बनता है, अतः हमें सच्चरित्र, शालीन, मृदुभाषी, कुशल समायोजक बनने पर विशेष ध्यान देना चाहिए। व्यक्तित्व निखार के लिए आंतरिक सज्जा के साथ-साथ बाह्य सज्जा पर भी संतुलित ध्यान देना चाहिए। मंच से उन्होंने सभी के उज्ज्वल भविष्य व सुंदर छवि निर्माण का आशीर्वाद प्रेषित किया। इस अवसर पर डॉ. मंजू, डॉ. भामा, डॉ. बबीता, डॉ. रूपम, डॉ. लक्ष्मी आदि मौजूद रहे।

ग्राम सचिव की पत्नी का निधन

भिवानी। ग्राम पंचायत सचिव मलखान सिंह शेखावत की पत्नी सुनीता शेखावत का निधन हो गया है। उनकी उम्र 53 वर्ष थी। वह कुछ समय से बीमार चल रही थीं। सुनीता शेखावत का अंतिम संस्कार हांसी रोड स्थित श्मशान घाट में किया गया। अंतिम संस्कार में चेयरमैन प्रतिनिधि भवानी प्रताप, राणा दुष्यंत सिंह, जयदेव तंवर, संदीप शेखावत, अनिल तंवर पालवास, संदीप खरकिया, सुधीर राठी, पारस डालमिया, बबलू भटनागर, ग्राम सचिव क्षेत्रपाल, ग्राम सचिव अजय पाल, ग्राम सचिव मनोज , मोनू तंवर, सहित अनेक सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद थे।

नशे रूपी दानव के खात्मे के लिए न्याय के प्रहरियों के साथ अभियान चलाएंगे

युवा कल्याण संगठन ने नशामुक्त समाज बनाने की मुहिम की तेज

नशा व्यक्ति को खोखला और परिवार व समाज की हिला देता नींव: कमल प्रधान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

समाज को नशामुक्त बनाने की दिशा में कार्यरत युवा कल्याण संगठन ने अपनी मुहिम को अब और अधिक व्यापक और धारदार बना दिया है। संगठन ने निर्णय लिया है कि नशे रूपी दानव को जड़ से उखाड़ने के लिए अब कानून के रक्षक यानी अधिवक्ताओं का भी सहयोग लिया जाएगा। युवा कल्याण संगठन के संरक्षक कमल सिंह प्रधान और महिला प्रदेश अध्यक्ष अधिवक्ता प्रिया लेघा ने गांव बिड़ौला में अधिवक्ता रवि के निवास पर आयोजित बैठक के दौरान संयुक्त रूप से इस नई रणनीति का ऐलान किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि संगठन अब केवल सभाओं तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि कोर्ट परिसर और घर-घर जाकर सीधे जनता से संवाद करेगा। युवा कल्याण संगठन के संरक्षक कमल सिंह प्रधान ने कहा कि नशा आज युवा पीढ़ी को खोखला कर रहा है। इस बुराई से लडने के लिए समाज के हर प्रबुद्ध वर्ग का साथ आना जरूरी है। इसी कड़ी में अब संगठन के पदाधिकारी अधिवक्ताओं के साथ मिलकर नशे के खिलाफ विशेष मुहिम चलाएंगे। कमल प्रधान ने कहा कि नशा ना केवल एक व्यक्ति को खत्म करता है, बल्कि पूरे परिवार और समाज की नींव हिला देता है। इसलिए यह फैसला किया है कि अब न्याय के प्रहरियों के साथ मिलकर इस लड़ाई को लड़ा जाएगा। संगठन की महिला प्रदेश अध्यक्ष अधिवक्ता प्रिया लेघां ने बताया कि इस अभियान की एक खास बात यह होगी कि इसे कोर्ट परिसर तक ले जाया जाएगा। जिसके तहत कोर्ट में अपने कार्यों के लिए आने वाले आम नागरिकों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी दी जाएगी। इसके अलावा विभिन्न सामाजिक कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाने के साथ-साथ घर-जाकर भी लोगों को नशे के दुष्प्रभाव से अवगत करवाया जाएगा।

भिवानी। नशे के खिलाफ अधिवक्ताओं से चर्चा करते युवा कल्याण संगठन के संरक्षक कमल सिंह प्रधान।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर तोशाम बार के पूर्व प्रधान सत्यवान श्योराण, गुलशन काठपालिया, मनदीप कांटिया, अधिवक्ता योगेश पंघाल, अधिवक्ता देशमुख दादरवाल, अधिवक्त अमित शेषमा, अधिवक्ता सुरेंद्र शर्मा, अनिल शेषमा, राजेश बघासरा बागनवाला, मुकेश शर्मा ढ़ाणीमाहु, अशोक मलिक, अमित अत्री, मा. तेजबीर सिंह, राजेश रत्न सिंह खरकड़ी, संदीप वाल्मीकि, संदीप निगाना, सोमबीर स्वामी, ओमप्रकाश छिम्मी, सतबीर भुक्कल, राकेश रोहिल्ला, अनिल पंघाल, सतीश खरकड़ी व विकास सत्यवान आदि मौजूद रहे।